हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 05 : | जौनपुर, शुक्रवार 29 सितम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

12 जिलों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का काया कल्प करेगी योगी सरकार, वित्तीय स्वीकृति दी

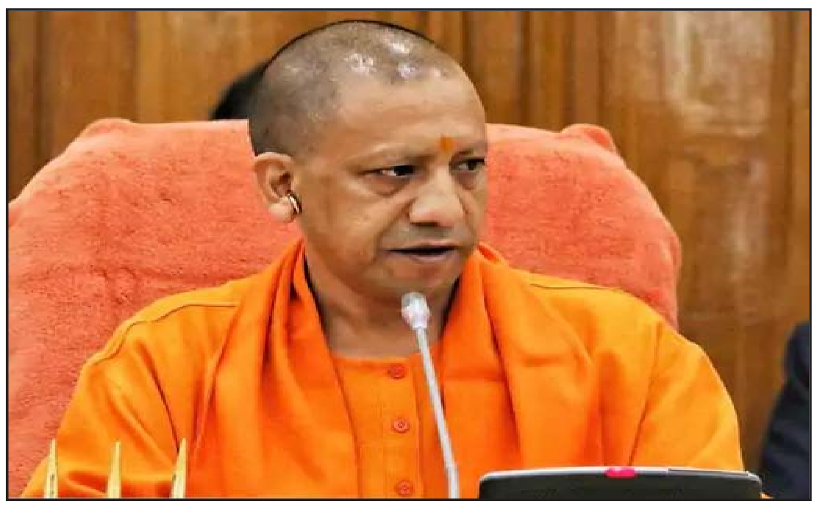

लखनऊ (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रदेश के कुल 12 जिलों के 13 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का कायाकल्प किया जाएगा। जिन जिलों में 1–1 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के कायाकल्प की प्रक्रिया जारी है उनमें श्रावस्ती, बलिया, बलरामपुर, उन्नाव, कौशाम्बी, मुजफ्फरनगर, चित्रकूट, महोबा, लखनऊ, बदायूं व सुल्तानपुर शामिल हैं। वहीं, हापुड़ जिले में दो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के अपग्रेडेशन प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया जाएगा। इन सभी 13 सामुदायिक स्वाथ्य केंद्रों के कायाकल्प के लिए योगी सरकार 8.58 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च करने जा रही है जिसे शासन से वित्तीय स्वीकृति के बाद जारी कर दिया गया है।

प्रदेश के जिन 12 जिलों के 13 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अपग्रेडेशन प्रक्रिया को मूर्त रूप दिया जा रहा है उनमें हापुड़ के बहादुरगढ़ व गोहरा आलमगीर का नाम प्रमुख है। वहीं, श्रावस्ती के लक्ष्मणपुर बाजार, बलिया के सहतवार, उन्नाव के ऊंचगांव, कौशाम्बी के करारी, मुजफ्फरनगर के सिसौली, चित्रकूट के रैपुरा, महोबा के श्री नगर, लखनऊ के बेहटा, बदायूं के इस्लामनगर व सुल्तानपुर के डिहदुग्धुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम भी उन सामुदायिक स्वास्थ केंद्रों में शामिल है जिन्हें अपग्रेड करने की प्रक्रिया जारी है। निश्चित तौर पर इस धनराशि आवंटन की प्रक्रिया को वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद इन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के विकास में तेजी आएगी और यहां इंस्टॉल किए जाने वाले मेडिकल इक्विप्मेंट्स की खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रक्रिया में क्रय होने वाले सभी इक्विप्मेंट्स की गुणवत्ता, क्रय प्रक्रिया का निर्धारण व अनुपालन क्रयाधिकारी के निरीक्षण में किया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया को प्रदेश शासन के नियम व शर्तों के आधीन पूरा किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आवंटित धन का उपयोग केवल उसी मद में हो जिस मद में उपयोग किया जाना निर्धारित किया गया था। प्रदेश के कई स्वास्थ्य व चिकित्सा संस्थानों के मॉडर्नाइजेशन का प्रयास योगी सरकार द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में, लखनऊ स्थित वीरांगना अवंतीबाई महिला चिकित्सालय में 2 बेबी ट्रांसपोर्टेशन इनक्यूबेटर की खरीद व इंस्टॉलेशन के मद में 4 लाख रुपए, 3 एक्टोक्लेव मशीन की खरीद व इंस्टॉलेशन के मद में 60 हजार व एमएनसीयू में 6 वॉर्मर मशीनों की खरीद व इंस्टॉलेशन के लिए 9.40 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसी तरह, बाराबंकी के सिरौली गौसपुर चिकित्सालय में एक्स–रे मशीन प्रिंटर उपलब्ध कराने व कन्नौज के पैरा मेडिकल इंस्टीट्यूट में जारी निर्माण कार्य के लिए 8 करोड़ रुपए की धनराशि जारी की गई है।

इसके अतिरिक्त, गाजियाबाद के लोनी नगर पालिका परिषद में निर्माणाधीन 50 बेड्स की क्षमता वाले अस्पताल के लिए प्रथम किस्त के तौर पर 3.08 करोड़ रुपए की धनराशि भी वित्तीय स्वीकृति के बाद जारी कर दी गई है।

एएसआई सर्वे रोकने की मांग वाली अर्जी खारिज

वाराणसी (एजेंसी)। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी की तरफ से ज्ञानवापी परिसर का एएसआई सर्वे रोकने की मांग वाली अर्जी खारिज हो गई है। गुरुवार को वाराणसी के जिला जज डॉ अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने कहा कि सर्वे में मिल रहे साक्ष्यों को सुरक्षित रखने का आदेश पहले ही जिलाधिकारी को दे चुके हैं। ऐसे में सर्वे रोकने का मसाजिद कमेटी का आवेदन खारिज किया जाता है। जिला जज ने कहा यह मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में पहले ही उठाया जा चुका है। दोनों ही जगह इसे खारिज कर दिया गया। ऐसे में इस अदालत को इस मामले में सुनवाई की अधिकार नहीं है। इस मामले में मसाजिद कमेटी चाहे तो सुप्रीम कोर्ट जा सकती है। मसाजिद कमेटी ने अपने आवेदन में बिना फीस जमा किए एएसआई द्वारा ज्ञानवापी में सर्वे करने और इस संबंध में नोटिस तामील न कराए जाने की बात कही थी। कहा था कि सर्वे विधि विरुद्ध तरीके से किया जा रहा है। इसलिए ज्ञानवापी में सर्वे का काम रोका जाए। अदालत ने दोनों पक्ष की बहस सुनने के बाद आदेश के लिए 26 सितंबर की तिथि तय की थी।

संचारी रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान की प्रतिदिन होगी निगरानी, लापरवाही पर गिरेगी गाज

लखनऊ (एजेन्सी)। संचारी रोगों के खिलाफ योगी सरकार की मुहिम अक्तूबर माह में भी जारी रहेगी। 3 अक्तूबर से 31 अक्तूबर तक प्रदेश भर में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान (16 से 31 अक्तूबर) के तहत विशेष सतर्कता बरती जाएगी। खास बात ये है कि इस पूरे अभियान की प्रतिदिन निगरानी और रिपोर्टिंग होगी तथा शिथिलता या लापरवाही बरतने वाले उत्तरदायी कर्मियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई भी की जाएगी। इस संबंध में नगरीय निकाय निदेशालय के निदेशक द्वारा समस्त नगर आयुक्त एवं जल संस्थान व जलकल विभाग के महाप्रबंधक को पत्र लिखकर सूचित किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में संचारी रोगों व दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण व रोकथाम के लिए योगी सरकार ने कई विभागों के समन्वय से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान संचालित कर रही है। इसमें न सिर्फ संचारी रोगों को फैलने से रोकने की कार्यवाही की जा रही है, बल्कि पीड़ित रोगियों के इलाज की भी समुचित व्यवस्था की गई है। नगरीय निकाय निदेशालय के निदेशक नितिन बंसल द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि प्रदेश में 3 अक्टूबर से 31 अक्टूबर के मध्य विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 16 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान का प्रभावी संचालन किया जाना है। ऐसे में नगर विकास से संबंधित उल्लेखित बिंदुओं पर प्रभावी व समयबद्ध कार्यवाही कराते हुए निर्धारित माइक्रोप्लान के अनुसार अभियान के दौरान प्रतिदिन गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित हो। साथ ही प्रतिदिन संपन्न गतिविधियों की सूचना निदेशालय के गूगल लिंक पर अनिवार्य रूप से प्रेषित की जाएं।

ड्रग्स मामले में कांग्रेस विधायक सुखपाल खैरा गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पंजाब पुलिस द्वारा गुरुवार को 2015 के ड्रग्स मामले में कांग्रेस विधायक सुखपाल खैरा को हिरासत में लेने के बाद कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच टकराव शुरू हो गया है। राज्य कांग्रेस प्रमुख अमरिन्दर सिंह राजा वारिंग ने इस कार्रवाई की निंदा की और इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया और कहा कि यह विपक्ष को डराने–धमकानेश्श का एक प्रयास है। यह दोनों पार्टियों की पंजाब इकाई के बीच चल रही खींचतान के बाद आया है, जो विपक्ष के I-N-D-I-A ब्लॉक के लिए हाथ मिलाने के लिए सहमत नहीं हैं। वारिंग ने कहा कि पंजाब कांग्रेस विधायक सुखपाल खैरा की हालिया गिरफ्तारी से राजनीतिक प्रतिशोध की बू आती है, यह विपक्ष को डराने की कोशिश है और मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने की आप पंजाब सरकार की चाल है।

चुनाव से पहले गुर्जर समाज को पीए मोदी के खिलाफ करने की साजिश हुई?

पीएम मोदी के लिफाफे से 21 रुपये निकलने पर कांग्रेस नेताओं ने इसे गुर्जर समाज का अपमान बताया साथ ही इसके वीडियो को जमकर शेयर किया

जयपुर (एजेन्सी)। राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ गुर्जर समाज को भड़काने की साजिश की गई या फिर यह महज एक भूल थी। प्रदेश के चुनावी माहौल में ये सवाल काफी जोर पकड़ रहा है? ये सवाल उठा है गुर्जर समाज के आराध्य स्थल मालासेरी डूंगरी मंदिर के पुजारी हेमराज पोसवाल के उस दावे से जिसमें उन्होंने पीएम मोदी के लिफाफे से 21 रुपये निकलने की बात कही थी। पुजारी का ये दावा अब गलत साबित हो गया है। आइए, सबसे पहले उस मामले को जानते हैं जिसके कारण ये सवाल उठा है...। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते सोमवार को जयपुर में थे। वे यहां भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा की महारैली को संबोधित करने आए थे। इसी दिन भीलवाड़ा में स्थित गुर्जर समाज के आराध्य स्थल मालासेरी डूंगरी मंदिर में रखा दानपात्र भी खोला गया। पीएम मोदी 28 जनवरी 2023 को भगवान श्री देवनारायणजी के 1111वें अवतरण महोत्सव के समारोह में शामिल होने यहां आए थे। कहा गया कि दौरे के दौरान पीएम मोदी ने मंदिर में रखे दानपात्र में एक लिफाफा डाला था। दानपात्र खुलने के बाद उसमें से तीन लिफाफे निकले। एक लिफाफे से 2100, दूसरे 101 और तीसरे में 21 रुपये थे। मंदिर के पुजारी हेमराज पोसवाल ने दावा करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने दानपात्र में जो लिफाफा डाला वह सफेद रंग था, उसमें से 21 रुपये निकले हैं। दानपात्र से लिफाफा निकालने और फिर उसमें से निकले 21 रुपये की पूरी कवायद को कैमरे में कैद किया गया। जिसके बाद पीएम मोदी के लिफाफे से 21 रुपये निकलने की खबर मीडिया और कांग्रेस नेताओं तक पहुंच गई। पीएम मोदी के लिफाफे से 21 रुपये निकलने पर कांग्रेस नेताओं ने इसे गुर्जर समाज का अपमान बताया। साथ ही इसके वीडियो को सोशल मीडिया पर भी जमकर शेयर किया गया। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और राजस्थान बीज निगम अध्यक्ष धीरज गुर्जर ने एक्स (ट्वीट) कर कहा– मोदीजी गुर्जर समाज एक सीधी, सच्ची, ईमानदार, सरल और स्वाभिमानी कौम है। किसी कौम और समाज को इस तरह छलना अच्छी बात तो नहीं है। मीडिया में खबरें और सोशल मीडिया पर वीडियो जारी होने के बाद यह तेजी से वायरल होने लगा। इसके बाद भाजपा की ओर से पीएम मोदी के मालासेरी डूंगरी मंदिर दौरे का एक वीडियो जारी किया गया। जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि पीएम मोदी ने दानपात्र में लिफाफा नहीं, बल्कि रुपये डाले थे। यानी मंदिर के पुजारी हेमराज पोसवाल द्वारा किया गया दावा गलत साबित हुआ। पूरे मामले का सच सामने आया गया, लेकिन कांग्रेस नेता धीरज गुर्जर ने अब अभी अपने एक्स अकाउंट पर इस वीडियो को पिन करके रखा है,।

क्या ISI ने कराई हरदीप सिंह निज्जर की हत्या? ट्रूडो के आरोपों पर बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। लगभग 10 दिन हो गए हैं जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि जून में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ था। तब से दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध खराब हो गए हैं। दोनों पक्षों से राजनयिकों को निष्कासित कर दिया गया है, नई दिल्ली ने सभी कनाडाई लोगों के लिए वीजा सेवाएं निलंबित कर दी हैं और वहां रहने वाले भारतीय प्रवासियों के बीच इसके नतीजों को लेकर डर है। भारत ने बार–बार कनाडा के आरोपों का खंडन किया है, उन्हें बेतुका बताया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां तक कहा कि यह भारत सरकार की नीति नहीं थी और ओटावा को वचन दिया कि यदि वे विशिष्ट जानकारी प्रदान करते हैं तो कार्रवाई की जाएगी। लेकिन जब कनाडा अपने विचार पर अड़ा हुआ है कि खालिस्तानी नेता की हत्या के पीछे भारत का हाथ है, तो इसमें एक नया मोड़ आ गया है। सरकार के सूत्रों ने खुलासा किया है कि यह पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) थी जिसने निज्जर की हत्या की साजिश रची।

ताइवान ने बनाई पहली स्वदेशी पनडुब्बी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। ताइवान ने गुरुवार को अपनी पहली घरेलू स्तर पर विकसित पनडुब्बी का अनावरण किया, जो चीनी नौसेना के खिलाफ द्वीप की रक्षा और प्रतिरोध को मजबूत करने के उद्देश्य से एक परियोजना में एक बड़ा कदम है। हालांकि यह अगले दो वर्षों तक सेवा में प्रवेश नहीं करेगी। स्वदेशी पनडुब्बी कार्यक्रम को अपने सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने की महत्वाकांक्षी परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बना दिया है। बीजिंग अपनी संप्रभुता का दावा करने के लिए लगभग दैनिक सैन्य अभ्यास करता है। राष्ट्रपति त्साई इंग–वेन ने 2016 में पदभार ग्रहण करते समय योजना शुरू की थी। त्साई ने कहा कि घरेलू स्तर पर विकसित पनडुब्बी को एक असंभव कार्य माना जाता था। लेकिन, आज, हमारे देश के लोगों द्वारा डिजाइन और निर्मित एक पनडुब्बी हमारी आंखों के सामने है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव से पहले मान ली हार !

दरअसल राजस्थान के हाल के कुछ वर्षों का चुनावी इतिहास यह रहा है कि किसी पार्टी की सरकार चुनाव बाद दोबारा नहीं बनती है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राजस्थान विधानसभा चुनाव जैसे–जैसे करीब आते जा रहे हैं वैसे–वैसे राजनीतिक बयानबाजी तेज हो चली है। एक ओर जहां भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं ने प्रदेश पदाधिकारियों के साथ घंटों तक मंथन कर चुनाव जीतने की रणनीति बनाई तो दूसरी ओर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जो बयान दिया है वह दर्शा रहा है कि उन्होंने चुनाव की घोषणा से पहले ही हार मान ली है। दरअसल राजस्थान के हाल के कुछ वर्षों का चुनावी इतिहास यह रहा है कि किसी पार्टी की सरकार चुनाव बाद दोबारा नहीं बनती है। इसलिए भाजपा जहां अपनी सरकार बनने को लेकर आश्वस्त नजर आ रही है वहीं कांग्रेस का प्रयास है कि दोबारा सत्ता में लौट कर इतिहास रचा जाये। लेकिन राजनीतिक परिस्थितियां ऐसी नहीं दिखाई दे रही हैं कि कांग्रेस दोबारा सत्ता में लौट सके। राजस्थान के मुख्यमंत्री राजनीति के जादूगर माने जाते हैं और हालात को समय रहते भांपने में माहिर हैं। इसलिए उन्होंने जब अपनी सरकार की ओर से शुरू की गयी योजनाओं को बंद नहीं करने की गारंटी प्रधानमंत्री से मांगी तो स्पष्ट हो गया कि वह संभावित हार को देख चुके हैं। हम आपको यह भी बता दें कि हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में तो अपनी पार्टी की जीत की संभावना जताई थी लेकिन राजस्थान में मुकाबला कांटे का बताया था। इस बीच, खबर यह है कि चुनाव आयोग का एक दल शुक्रवार को राज्य विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जयपुर पहुँचेगे। जहां तक भाजपा की रणनीति की बात है तो आपको बता दें कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगामी विधानसभा चुनाव से जुड़े मुद्दों को लेकर जयपुर में पार्टी के स्थानीय नेताओं के साथ लंबी चर्चा की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठकों का दौर बुधवार देर शाम एक होटल में शुरू हुआ जो देर रात दो बजे तक जारी रहा। दोनों नेताओं ने आज सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थानीय पदाधिकारियों से भी मुलाकात की। पार्टी में राजस्थान को लेकर शीर्ष स्तरीय बैठकों का यह दौर ऐसे समय में हुआ है जब वह अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने वाली है। पार्टी द्वारा मध्य प्रदेश में तीन केंद्रीय मंत्रियों और चार अन्य सांसदों को विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाए जाने के बाद इन अटकलों को बल मिला है कि राजस्थान में भी दो केंद्रीय मंत्रियों को विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए कहा जा सकता है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि शाह और नड्डा ने सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ बैठक की। वसुंधरा राजे से मुलाकात करीब 15 मिनट तक चली। इसके बाद पार्टी के राज्य के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक शुरू हुई जिसमें विधानसभा क्षेत्रों व चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई।

उमेश पाल हत्याकांड में शामिल सद्दाम को यूपी STF ने पकड़ा, भाग गया था दुबई

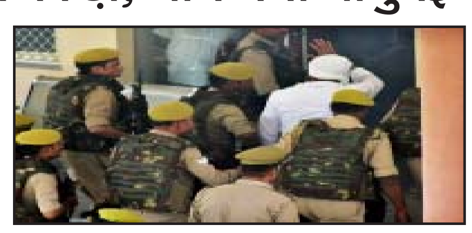

नई दिल्ली (एजेन्सी)।उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गुरुवार को मारे गए गैंगस्टर–राजनेता अतीक अहमद के एक सहयोगी को नई दिल्ली के मालवीय नगर से गिरफ्तार किया। अब्दुल समद उर्फ घ्घसद्दाम, अशरफ का साला है, जो गैंगस्टर अतीक अहमद का भाई था। पुलिस के मुताबिक, सद्दाम के सिर पर एक लाख रुपये का इनाम भी था और वह प्रयागराज के उमेश पाल हत्याकांड में भी आरोपी है। एसटीएफ के मुताबिक, सद्दाम हत्या, रंगदारी, अवैध खनन और डकैती समेत कई आपराधिक मामलों में भी शामिल था। अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ को अप्रैल में पुलिस हिरासत में मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाते समय हमलावरों ने गोली मार दी थी। रिपोर्टों के अनुसार, फरवरी में उमेश पाल की हत्या के बाद सद्दाम दुबई भाग गया था और कुछ महीनों के बाद भारत लौट आया। जब अशरफ को बरेली जेल में बंद किया गया था, तो वह सद्दाम ही था जो बाहरी लोगों से उसकी मुलाकात की सुविधा देता था। पुलिस ने यह भी बताया कि सद्दाम नाम बदलकर कर्नाटक, मुंबई में छिपा हुआ था। एसटीएफ ने बताया कि अतीक अहमद गिरोह के सदस्य सद्दाम को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह अपनी प्रेमिका अनम से मिलने जा रहा था। कुछ दिन पहले एक स्थानीय अदालत ने सद्दाम की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी थी।

केंद्र के आदेश को नजरअंदाज करेगा मिजोरम

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मिजोरम सरकार ने घोषणा की है कि वह केंद्र के एक निर्देश की अनदेखी करते हुए राज्य में म्यांमार शरणार्थियों का बायोमेट्रिक डेटा एकत्र नहीं करेगी। इस साल अप्रैल में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने म्यांमार के साथ सीमा साझा करने वाले मिजोरम और मणिपुर दोनों की सरकारों को अपने राज्यों में अवैध अप्रवासियों के बायोमेट्रिक और जीवनी विवरण एकत्र करने का निर्देश दिया था। जून में इसने राज्यों को निर्देश दिया कि अभियान सितंबर के अंत तक पूरा हो जाए और दोनों को एक योजना तैयार करने और प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। मिजोरम सरकार इस साल के अंत तक चुनाव की ओर अग्रसर है।

चीन ने तोड़ा समझौता, जयशंकर ने दुनिया को बताया चीन का पूरा सच

जयशंकर ने कहा कि चीन अभी तक यह नहीं बता पाया है कि गलवान में झड़प क्यों हुई थी यह देखना बाकी है कि वे क्या करेंगे

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक मंच से चीन को एक बार फिर से लताड़ लगाई है। जयशंकर ने कहा कि चीन अभी तक यह नहीं बता पाया है कि गलवान में झड़प क्यों हुई थी। यह देखना बाकी है कि वे क्या करेंगे। उन्होंने भारत–चीन द्विपक्षीय संबंधों को भी बहुत असामान्य बताया। भारत में अमेरिकी राजदूत केनेथ जस्टर के नेतृत्व में श्काउंसिल फॉर फॉरेन रिलेशंसश की बैठक में जयशंकर (एस जयशंकर) ने तंज के लहजे में चीन के बारे में टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत के साथ चीन के रिश्ते कभी सामान्य नहीं रहे। सीमा पर हमेशा दबाव रहता है। 2020 में पीएलए गलवान में बेवजह हमारी सेना के साथ झड़प में शामिल था। बीजिंग की ओर से आज तक कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। चीन बहुत निंदक है। विदेश मंत्री की बात से साफ है कि भारत–चीन के रिश्ते कभी भी सामान्य नहीं रहे हैं। गौरतलब है कि 15 जून 2020 को गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाएं आमने–सामने हो गई थीं. दोनों पक्षों के सैनिक लोहे की छड़ों और कंटीले तारों से कई घंटों तक लड़ते रहे। इस खूनी मुठभेड़ में 20 भारतीय जवान शहीद हो गए। 1975 के बाद यह पहली बार है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जानमाल का नुकसान हुआ है।

झड़प के बाद सीमा पर एक तरह से युद्ध की स्थिति बन गई। आखघ्रिकार, दोनों देशों की सेनाओं ने स्थिति को शांत करने के लिए कई दौर की बातचीत की। हालांकि, गर्मी थोड़ी कम होने के बावजूद तनाव कम नहीं हुआ । बता दें कि गलवान के अलावा दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर तनाव बढ़ा है. दक्षिण चीन सागर में लाल सेना की आक्रामकता के खिलाफ अमेरिका और भारत एकजुट हो गए हैं। बढ़ती गर्मी के बीच बीजिंग ने 28 अगस्त को एक नया नक्शा जारी करके नई दिल्ली के साथ अपना गतिरोध बढ़ा दिया। अक्साई चीन पर भी बीजिंग अपना दावा करता है। जिसके चलते चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग जैसे विश्लेषक भारत में आयोजित जी–20 सम्मेलन में शामिल नहीं हुए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से भारत और चीन के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और ऐसा लगता है ये मसला अपेक्षा से ज्यादा लंबा खींच सकता है।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा भाजपा का काम भ्रम फैलाना

पटना (एजेन्सी)। इन दोनों बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर चर्चाओं का दौड़ लगातार जारी है। दावा किया जा रहा है कि नीतीश कुमार लगातार भाजपा से नजदीकी बनाने की कोशिश की कर रहे हैं। इसी को लेकर अलग–अलग दावे भी किया जा रहे हैं। हालांकि, नीतीश कुमार ने इसे पहले ही खारिश कर दिया था। इन सब के बीच जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह का भी बयान सामने आया है। उन्होंने भाजपा पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। ललन सिंह ने अपने बयान में कहा कि भाजपा का काम भ्रम फैलाना है। मीडिया में रोज चलता है कि नीतीश कुमार की भाजपा से नजदीकियां बढ़ रही है। भाजपा देखने के लायक भी पार्टी नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा का अस्तित्व क्या है? भाजपा ने देश की जनता से जो वादा किया उसमें कौन सा वादा पूरा किया? हालांकि दोनों आर से इससे इनकार किया जा रहा है। बिहार के राजनीतिक हालात को देखें तो 2024 के लिए भाजपा को नीतीश कुमार की बेहद जरूरत है।

सम्पादकीय

भारत पर आरोप लगाने का ट्रूडो का दांव उलटा पड़ गया

जब जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा की संसद में घोषणा की थी कि उनके पास हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत–सरकार का हाथ होने के भरोसेमंद सबूत हैं, तो उन्होंने एक साथ दो चालें चली थीं। पहली तो यह कि उन्हें यकीन था सार्वजनिक रूप से ऐसा सनसनीखेज आरोप लगाने पर उन्हें अमेरिका और उसके अन्य निकटतम सहयोगियों का समर्थन मिलेगा। दूसरी यह कि हर समुदाय के कनाडाई नागरिक इसके लिए एकमत से उनका समर्थन करेंगे और उनकी गिरती हुई रेटिंग्स को बूस्ट मिलेगा। ट्रूडो का दुर्भाग्य है कि उनकी ये दोनों ही चालें उलटी पड़ गई हैं। ट्रूडो के मतानुसार निज्जर कनाडा का नागरिक और एक शांतिपूर्ण कार्यकर्ता था। लेकिन भारत उसे एक आतंकवादी मानता था, क्योंकि खालिस्तान टाइगर फोर्स नामक एक अतिवादी संगठन का हिस्सा होने के कारण वह कथित रूप से अनेक उग्रवादी गतिविधियों में लिप्त था। भारत सरकार ने वर्ष 2014 में उसके लिए एक गिरफ्तारी वारंट जारी किया था और वह अनेक बार कनाडा से उसके प्रत्यर्पण की मांग कर चुकी थी। ट्रूडो के आरोपों का भारत ने पुरजोर तरीके से खंडन करते हुए कहा है कि निज्जर की मृत्यु में उसका कोई हाथ नहीं है। यहां यह दिलचस्प है कि इस मामले में भारत की संलिप्तता की सूचना फाईव आईज नामक संस्था से आई थी। यह खुफिया जानकारियों के साझाकरण का गठजोड़ है, जिसमें अमेरिका, कनाडा, यूके, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। ट्रूडो के दावों में सबसे गैर जिम्मेदाराना बात यह थी कि उन्होंने यह नहीं कहा कि वे मानते हैं निज्जर की हत्या के मामले में भारत संलिप्त था, इसके बजाय उन्होंने ये कहा कि इस बात के 'भरोसेमंद सबूत' हैं। लेकिन आपके देश में किसी विदेशी लोकतांत्रिक राज्यसत्ता का किसी की हत्या के मामले में संलिप्त होना एक अत्यंत संगीन आरोप है। आज तक ट्रूडो ने सार्वजनिक रूप से इस बारे में कोई सबूत पेश नहीं किए हैं। लगता है उन्होंने बिना किसी आधार के ही इतनी बड़ी बात कह दी। उन्हें लगता था कि इस पर कनाडा के लोग उनका समर्थन करेंगे, लेकिन उनका दांव उलटा पड़ गया है और अब यह हालत हो गई कि कनाडा का विपक्ष ही स्वयं ट्रूडो से मांग कर रहा है कि वे अपने इस दावे के समर्थन में सार्वजनिक रूप से पुख्ता साक्ष्य प्रस्तुत करें। अमेरिका से खुफिया सूचनाएं प्राप्त होने के बावजूद प्रेसिडेंट बाइडन और उनके सहयोगियों ने ट्रूडो के आरोपों को ज्यादा तूल नहीं दिया है। जी–20 के दौरान बाइडन और यूके के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने जरूर इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चर्चा की थी, लेकिन न तो उन्होंने इस पर भारत की आलोचना की है और न ही कोई कार्रवाई करने की तैयारी दिखाई है। इसका कारण यह है कि आज भारत अमेरिका का महत्वपूर्ण सहयोगी है। प्रेसिडेंट बराक ओबामा और प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के जमाने की तुलना में आज भारत और अमेरिका एक–दूसरे के कहीं निकटतम सहयोगी बन गए हैं। वास्तव में, आज की भू–राजनीतिक वास्तविकताएं बहुत बदल चुकी हैं। वर्तमान विश्व–व्यवस्था रूस–यूक्रेन युद्ध और अमेरिका–चीन के बीच जारी वर्चस्व के संघर्ष से निर्मित हुई है। आज अमेरिका को भारत की 15 वर्ष पूर्व की तुलना में ज्यादा जरूरत है। भारत चीन के सामने शक्ति–संतुलन की स्थिति निर्मित करता है और वह विकासशील दुनिया की एक महत्वपूर्ण आवाज भी है। इन्हीं कारणों से आज अमेरिका और भारत एक–दूसरे के इतने करीब हैं, जितने पहले कभी नहीं थे। अमेरिका इस मामले में भारत से लड़ाई नहीं मोल लेने वाला है। कुल–मिलाकर यह पूरा प्रसंग अभी तक भारत के पक्ष में रहा है और कनाडा अलग–थलग पड़ गया है। कनाडा के प्रश्न पर प्रेसिडेंट बाइडन निकट–भविष्य में भारत के विरोध में कोई रुख नहीं अख्तियार करने वाले हैं। भारत चीन के सामने शक्ति–संतुलन की स्थिति निर्मित करता है। इसी कारण से आज अमेरिका और भारत एक–दूसरे के इतने करीब आ गए हैं, जितने पहले कभी नहीं थे। अमेरिका कनाडा मामले में भारत से लड़ाई नहीं मोल लेने वाला। आज तक ट्रूडो ने सार्वजनिक रूप से इस बारे में कोई सबूत पेश नहीं किए हैं। लगता है उन्होंने बिना किसी आधार के ही इतनी बड़ी बात कह दी। उन्हें लगता था कि इस पर कनाडा के लोग उनका समर्थन करेंगे, लेकिन उनका दांव उलटा पड़ गया है और अब यह हालत हो गई कि कनाडा का विपक्ष ही स्वयं ट्रूडो से मांग कर रहा है कि वे अपने इस दावे के समर्थन में सार्वजनिक रूप से पुख्ता साक्ष्य प्रस्तुत करें।

सीईओ बनना चाहते हैं तो पहले 'सर्वेंट लीडर' बनें!

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में दो भाइयों का करिअर देखकर मैं हमेशा रोमांचित हो जाता था– स्टीव और मार्क वॉ। उनसे जुड़ी मेरी पसंदीदा कहानी है कि जब ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट बोर्ड स्टीव की उपस्थिति में टीम चुन रहा था और बोर्ड ने मार्क को डेब्यू के लिए चुन लिया। वरिष्ठ वॉ जल्दी से घर आए और भाई के चयन की खबर सुनाई। पूरा घर खुशी से झूम उठा और पार्टी शुरू हो गई। पार्टी के बीच में जूनियर वॉ ने बड़े भाई से पूछा, उनके लिए किसे ड्रॉप किया है? और स्टीव ने आराम से कहा, उन्हें खुद! प्रबंधन की शब्दावली में यह 'सर्वेंट लीडरशिप' तरीका है। ये शब्दावली तब इस्तेमाल होती है, जब कैप्टन कंपनी के बड़े फायदे या टीम को जिताने के लिए किसी और को अपनी जगह लेने की अनुमति देता है। जाहिर है, यह सुनकर पूरे परिवार को धक्का लगा और मां रोने लगीं। हालांकि उनका दुख चंद हफ्तों तक ही रहा। क्योंकि दोनों भाइयों ने बाद में मिलकर सौ से ज्यादा बार ऑस्ट्रेलियाई टीम का प्रतिनिधित्व किया। स्टीव खेल के प्रति महान विचारक थे और मार्क के लिए क्रिकेट शौक था। मैदान में जब छोटा भाई कैच लेता, तो स्टीव को छोड़कर टीम के सारे सदस्य दौड़कर उसे बधाई देते और वह सिर्फ हल्के से जल्दी पीठ थपथपाते। मैं स्टीव वॉ को क्रिकेट इतिहास के सबसे महान कप्तानों में से एक मानता हूं, जिनके अंदर अपार इमोशनल इंटेलिजेंस (ईक्यू) था। ये कहानी तब याद आई, जब इस हफ्ते पता चला कि वेल्स के प्रिंस और प्रिंसेस ब्रिटेन में अपने केन्सिंग्टन पैलेस के लिए सीईओ रखना चाह रहे हैं। अगर आपको आवेदन करना हो तो क्या योग्यता चाहिए? ये दंपति चाहते हैं कि सामान्य योग्यताओं के अलावा आवेदक में बहुत ज्यादा ईक्यू हो और घमंड न हो। व्यक्ति आत्म जागरूक हो और दूसरों पर अपने काम के असर की समझ हो। वे ये भी चाहते हैं कि व्यक्ति सर्वेंट लीडर हो, जिसका मतलब है कि सीईओ बेहतर परिणाम पर केंद्रित होने के बजाय दूसरों के हित में काम करे। लीडरशिप का मतलब लक्ष्य की ओर दूसरों को दिशा दिखाना, उनका मार्गदर्शन करना है। अच्छा लीडर बनने के लिए व्यक्ति में पीपुल स्किल चाहिए, जिससे उसकी टीम हमेशा विजेता टीम बन जाती है। सर्वेंट लीडरशिप आमतौर पर मानवता की पहचान करना, उसे आत्मसात करना है और टीम के रूप में प्रदर्शन देखना है। सबसे वरिष्ठ मैनेजमेंट टीम में हमेशा हमदर्दी, पारस्परिक कौशल, आत्म जागरूकता, आत्म नियंत्रण के साथ बहुत ज्यादा ईक्यू दिखता है।

हमदर्दी हो तो व्यक्ति तक पहुंच आसान होती है, खुलेपन से संवाद को बढ़ावा, टीम वर्क में काम होता है, विवाद सुलझते हैं। खुलेपन से संवाद हो तो व्यक्ति दूसरे के नजरिए को धैर्य से सुनता है और आखिर में लीडर को समाधान के साथ टीम को दिशा दिखाने में मदद मिलती है। अच्छा श्रोता, बोलकर या बिना बोले भी बेहतर संवाद करता है। सर्वेंट लीडर आमतौर पर नैतिकता से काम करता है, निष्ठा दिखाता है, ईमानदारी के साथ अच्छे वर्क कल्चर को बढ़ावा देता है। सबसे जरूरी बात, वे उदारता के साथ छोटे–छोटे वाक्यों में बात कह देते हैं और यही अच्छे सीईओ की सबसे बड़ी विशेषता है। अगर आप सीईओ पद के लिए आने वाले ज्यादातर बायोडाटा देखें तो पाएंगे कि ये लोग इन स्किल्स का जिक्र करते हैं, ऐसे गुणों के साथ लोगों को संभालने की क्षमता बताते हैं और इन गुणों से कार्यक्षेत्र पर पड़े प्रभाव को उदाहरण सहित बताते हैं। वे हालातों, संभाले और किए कार्यों का वर्णन करने के लिए स्टार विधि अपनाते हैं और रिजल्ट वाला हिस्सा खाली छोड़ देते हैं ताकि यह साक्षात्कार में चर्चा का विषय बने। ऐसे उम्मीदवारों के सीवी नौकरी के लिए प्रासंगिक सॉफ्ट स्किल्स और ईक्यू लक्षणों को बताए बिना कभी नहीं होते।

भारत को मिली कामयाबी को पचा नहीं पाये जस्टिन ट्रूडो

योगेन्द्र योगी

भारत की तरफ से कनाडा को बाकायदा दस्तावेज तक मुहैया कराए गए हैं। इसमें खालिस्तान समर्थक सहित खतरनाक अपराधी भी शामिल हैं। इसके बावजूद कनाडा सरकार आजादी की अभिव्यक्ति की आड़ में वोटों की क्षुद्र राजनीति से उबर नहीं सकी। प्रधानमंत्री ट्रूडो के संकीर्ण नजरिए में कोई बदलाव नहीं आया। नए घटनाक्रम से ट्रूडो अब पश्चिमी देशों से मदद की दुहाई मांग रहे हैं। जबकि अमेरीका और यूरोपीय यूनियन इस मसले पर बहुत सधी हुई प्रतिक्रिया दे रहे हैं। पश्चिमी जगत भी ट्रूडो सरकार की खालिस्तानियों के सरेआम समर्थन को बखूबी समझता है। अमेरिका सहित पश्चिमी मुल्क जब किसी तरह के आतंकवाद के समर्थन नहीं करने का दंभ भरते हैं, तब उसमें कनाडा का परोक्ष तौर पर खालिस्तान को समर्थन देना भी है। गौरतलब है कि ट्रूडो जी–20 सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। इस दौरे में ट्रूडो के साथ मुलाकात में पीएम मोदी ने कनाडा में सिख अलगाववादी गतिविधियों और भारतीय राजनयिकों पर होते हमलों का मुद्दा उठाया था। भारत इस मुद्दे को पहले भी कई बार उठा चुका है।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया है कि सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार हो सकती है। केन्द्र सरकार निज्जर की हत्या के आरोपों को खघरिज करती रही है। निज्जर की हत्या में भारत की भूमिका की जांच के मद्देनजर कनाडा ने भारत के शीर्ष राजनयिक को भी निष्कासित कर दिया। भारत ने भी जवाबी कार्रवाई में दिल्ली स्थित कनाडाई उच्चायोग को समन भेजा और एक सीनियर डिप्लोमैट को निष्कासित करने का फैसला किया है। दरअसल जी20 की बैठक के दौरान भारत को मिली वैश्विक स्तर पर सफलता को कनाड़ा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पचा नहीं पाए। खालिस्तानी अतिवादियों को समर्थन देने के आरोप ट्रूडो सरकार पर पहले भी लगते रहे हैं। भारत की तरफ से कनाडा को बाकायदा दस्तावेज तक मुहैया कराए गए हैं। इसमें खालिस्तान समर्थक सहित खतरनाक अपराधी भी शामिल हैं। इसके बावजूद कनाडा सरकार आजादी की अभिव्यक्ति की आड़ में वोटों की क्षुद्र राजनीति से उबर नहीं सकी। प्रधानमंत्री ट्रूडो के संकीर्ण नजरिए में कोई बदलाव नहीं आया। नए घटनाक्रम से ट्रूडो अब पश्चिमी देशों से मदद की दुहाई मांग रहे हैं। जबकि अमेरीका और यूरोपीय यूनियन इस मसले पर बहुत सधी हुई प्रतिक्रिया दे रहे हैं। पश्चिमी जगत भी ट्रूडो सरकार की खालिस्तानियों के सरेआम समर्थन को बखूबी समझता है। अमेरिका सहित पश्चिमी मुल्क जब किसी तरह के आतंकवाद के समर्थन नहीं करने का दंभ भरते हैं, तब उसमें कनाडा का परोक्ष तौर पर खालिस्तान को समर्थन देना भी है। गौरतलब है कि ट्रूडो जी–20 सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे। इस दौरे में ट्रूडो के साथ मुलाकात में पीएम मोदी ने कनाडा में सिख अलगाववादी गतिविधियों और भारतीय राजनयिकों पर होते हमलों का मुद्दा उठाया था। भारत इस मुद्दे को पहले भी कई बार उठा चुका है। ट्रूडो के मुल्क लौटने के कुछ दिनों बाद ही कनाडा ने एक तरफा मनमाना निर्णय लेते हुए भारत से द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी। भारत ने ट्रूडो सरकार द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार पर शामिल होने का आरोप लगाना हास्यास्पद और राजनीति से प्रेरित है। इसी तरह हमारे प्रधानमंत्री के सामने कनाडा के प्रधानमंत्री ने आरोप लगाए थे और हमने उसे भी पूरी तरह से खघरिज किया था। हम कघनून के राज को लेकर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि ऐसे बेबुनियाद आरोप खालिस्तानी आतंकवादी और अतिवादियों से ध्यान भटकाने के लिए हैं। ऐसे खालिस्तानी आतंकवादियों और अतिवादियों को कनाडा ने प्रश्रय दे रखा है, जो भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खघ्तरा हैं। कनाडा के नेता ऐसे तत्वों से खुलेआम सहानुभूति जता रहे हैं और ये हमारे लिए गंभीर चिंता का विषय है। कनाडा और भारत के संबंधों में आया बदलाव अमेरीकी बाइडन प्रशासन के लिए मुश्किल की घड़ी है। अगर अमेरिका कनाडा का साथ देता है तो उसकी भारत के साथ वफादारी पर सवाल उठेंगे। अगर अमेरिका भारत का साथ देता है तो वो अपने नाटो सहयोगी कनाडा के खिलाफ जा रहा है। चीन का मुकघबला करने के लिए भारत का साथ देने की खघतिर अमेरिका किसी भी विवाद में पड़ने से बचेगा। आश्चर्य की बात यह है कि कनाडा एक तरफ निज्जर मामले को अपनी संप्रभुता पर हमला बता कर पश्चिमी देशों से सहानुभूति बटोरने का प्रयास कर रहा है, वहीं सरेआम आतंकी गतिविधियों को प्रोत्साहित करके भारत की संप्रभुता से खिलवाड़ कर रहा है। भारत के प्रति कनाडा की इस दोमुही नीति को विश्व के अन्य देश भी बखूबी समझते हैं। गौरतलब है कि खालिस्तान समर्थकों ने इंदिरा गांधी की हत्या को दर्शाते हुए पुतले की रैली निकाली थी। पूरे विश्व ने देखा था कि किस तरह कनाडा सरकार आतंक को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों से मुंह फेरे हुए है। इसका भारत ने कड़ा प्रतिवाद किया था, किन्तु इसमें कनाडा को भारत की संप्रभुता पर अनाधिकृत दखल नजर नहीं आया। यह निश्चित है कि इस मुद्दे को कनाडा यदि कूटनीति के जरिए नहीं सुलझाता तो आर्थिक नुकसान कनाडा का ही होगा। साल 2022 में भारत कनाडा का दसवां बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर था। 2022–23 में भारत ने कनाडा को 4.10 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया था। 2021–22 में यह आंकड़ा 3.76 अरब डॉलर का था। वहीं कनाडा ने भारत को 2022–23 में 4.05 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया। 2021–22 में ये आंकड़ा 3.13 अरब डॉलर का था। इन आंकड़ों से जाहिर है कि कनाडा का भारत के साथ आयात कम और निर्यात अधिक है। द्विपक्षीय संबंध बिगड़ने की सूरत में कनाड़ा को इसका आर्थिक खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। भारत की तरफ से कनाडा को बाकायदा दस्तावेज तक मुहैया कराए गए हैं। इसमें खालिस्तान समर्थक सहित खतरनाक अपराधी भी शामिल हैं। इसके बावजूद कनाडा सरकार आजादी की अभिव्यक्ति की आड़ में वोटों की क्षुद्र राजनीति से उबर नहीं सकी। प्रधानमंत्री ट्रूडो के संकीर्ण नजरिए में कोई बदलाव नहीं आया। नए घटनाक्रम से ट्रूडो अब पश्चिमी देशों से मदद की दुहाई मांग रहे हैं। जबकि अमेरीका और यूरोपीय यूनियन इस मसले पर बहुत सधी हुई प्रतिक्रिया दे रहे हैं। पश्चिमी जगत भी ट्रूडो सरकार की खालिस्तानियों के सरेआम समर्थन को बखूबी समझता है। अमेरिका सहित पश्चिमी मुल्क जब किसी तरह के आतंकवाद के समर्थन नहीं करने का दंभ भरते हैं, तब उसमें कनाडा का परोक्ष तौर पर खालिस्तान को समर्थन देना भी है। गौरतलब है कि ट्रूडो जी–20 सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत आए थे।

इस दौरे में ट्रूडो के साथ मुलाकात में पीएम मोदी ने कनाडा में सिख अलगाववादी गतिविधियों और भारतीय राजनयिकों पर होते हमलों का मुद्दा उठाया था। भारत इस मुद्दे को पहले भी कई बार उठा चुका है। ट्रूडो के मुल्क लौटने के कुछ दिनों बाद ही कनाडा ने एक तरफा मनमाना निर्णय लेते हुए भारत से द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी। भारत ने ट्रूडो सरकार द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार पर शामिल होने का आरोप लगाना हास्यास्पद और राजनीति से प्रेरित है। इसी तरह हमारे प्रधानमंत्री के सामने कनाडा के प्रधानमंत्री ने आरोप लगाए थे और हमने उसे भी पूरी तरह से खघरिज किया था। हम कघनून के राज को लेकर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि ऐसे बेबुनियाद आरोप खालिस्तानी आतंकवादी और अतिवादियों से ध्यान भटकाने के लिए हैं। ऐसे खालिस्तानी आतंकवादियों और अतिवादियों को कनाडा ने प्रश्रय दे रखा है, जो भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खघ्तरा हैं। कनाडा के नेता ऐसे तत्वों से खुलेआम सहानुभूति जता रहे हैं और ये हमारे लिए गंभीर चिंता का विषय है। कनाडा और भारत के संबंधों में आया बदलाव अमेरीकी बाइडन प्रशासन के लिए मुश्किल की घड़ी है। अगर अमेरिका कनाडा का साथ देता है तो उसकी भारत के साथ वफादारी पर सवाल उठेंगे। अगर अमेरिका भारत का साथ देता है तो वो अपने नाटो सहयोगी कनाडा के खिलाफ जा रहा है। चीन का मुकघबला करने के लिए भारत का साथ देने की खघतिर अमेरिका किसी भी विवाद में पड़ने से बचेगा। आश्चर्य की बात यह है कि कनाडा एक तरफ निज्जर मामले को अपनी संप्रभुता पर हमला बता कर पश्चिमी देशों से सहानुभूति बटोरने का प्रयास कर रहा है, वहीं सरेआम आतंकी गतिविधियों को प्रोत्साहित करके भारत की संप्रभुता से खिलवाड़ कर रहा है। भारत के प्रति कनाडा की इस दोमुही नीति को विश्व के अन्य देश भी बखूबी समझते हैं। गौरतलब है कि खालिस्तान समर्थकों ने इंदिरा गांधी की हत्या को दर्शाते हुए पुतले की रैली निकाली थी। पूरे विश्व ने देखा था कि किस तरह कनाडा सरकार आतंक को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों से मुंह फेरे हुए है। इसका भारत ने कड़ा प्रतिवाद किया था, किन्तु इसमें कनाडा को भारत की संप्रभुता पर अनाधिकृत दखल नजर नहीं आया।

भारतीय अर्थव्यवस्था में डॉक्टर मनमोहन सिंह का अप्रतिम योगदान

1991 में इसका विदेशी कर्ज 35 बिलियन डॉलर से दोगुना होकर 69 बिलियन डॉलर हो गया था। भारत के पास पैसा और समय दोनों बहुत कम थे। इसके पास विदेशी मुद्रा भंडार +6 बिलियन से भी कम था – जो देश के केवल दो सप्ताह के आयात को पूरा करने के लिए पर्याप्त था। विदेशी पूंजी निवेश पर सरकारी नियंत्रण था। आयात के लिए जटिल लाइसेंसिंग सिस्टम था। चीन और पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध, शेयर बाजार में हो रहे घपले, उत्पादन के क्षेत्र में सरकारी नियंत्रण आदि अर्थव्यवस्था की रफ्तार को थामे हुए थे, देश आर्थिक पतन के कगार पर था और इसे बचाने के लिए उन्होंने जुलाई 1991 में रुपये का दो बार अवमूल्यन का निर्णय लिया, पहले लगभग 9 प्रतिशत, उसके बाद 11 प्रतिशत का अवमूल्यन किया गया। रुपये के अवमूल्यन के साथ, हमारा निर्यात सस्ता हो गया, जो हमारे बिगड़ते व्यापार असंतुलन के लिए एक आवश्यक सुधार है।

ब्रजेश कुमार तिवारी

भारत के वित्तमंत्री और प्रधानमंत्री के पद पर रहे मनमोहन सिंह भारत में आर्थिक उदारीकरण के प्रणेता के तौर पर जाने जाते हैं। जब अर्थव्यवस्था की बात हो तो डॉक्टर मनमोहन सिंह का जिक्र होना लाजमी ही है। भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उनके दो कार्यकालों पर लोगों की भले ही आलोचनात्मक राय हो सकती है, लेकिन इस तथ्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि भारतीय अर्थव्यवस्था को बचाने व बढ़ने में उनका योगदान अहम है। डॉक्टर सिंह विदेश व्यापार मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार, वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार और वित्त मंत्रालय के सचिव के रूप में कार्य किया। उन्होंने 1976 से 1980 तक भारतीय रिजर्व बैंक के निदेशक और फिर 1982 से 1985 तक गवर्नर के रूप में कार्य किया। वह योजना आयोग के उपाध्यक्ष और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं, उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के तहत भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। वह 2004 से 2009 और 2009 से 2014 तक लगातार दो बार प्रधानमंत्री पद पर रहे। प्रधानमंत्री बनने से तेरह साल पहले वह भारत के वित्त मंत्री थे, लेकिन मनमोहन सिंह अपने बायोडाटा में दी गई योग्यताओं से कहीं बढ़कर थे। देश के लिए डॉक्टर मनमोहन सिंह का सबसे बड़ा योगदान वित्त मंत्री के रूप में आर्थिक सुधारों की शुरुआत करना है। वर्ष 1991 में भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संतुलन निराशाजनक घाटे में था। 1991 में इसका विदेशी कर्ज 35 बिलियन डॉलर से दोगुना होकर 69 बिलियन डॉलर हो गया था। भारत के पास पैसा और समय दोनों बहुत कम थे। इसके पास विदेशी मुद्रा भंडार +6 बिलियन से भी कम था – जो देश के केवल दो सप्ताह के आयात को पूरा करने के लिए पर्याप्त था। विदेशी पूंजी निवेश पर सरकारी नियंत्रण था। आयात के लिए जटिल लाइसेंसिंग सिस्टम था। चीन और पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध, शेयर बाजार में हो रहे घपले, उत्पादन के क्षेत्र में सरकारी नियंत्रण आदि अर्थव्यवस्था की रफ्तार को थामे हुए थे, देश आर्थिक पतन के कगार पर था और इसे बचाने के लिए उन्होंने जुलाई 1991 में रुपये का दो बार अवमूल्यन का निर्णय लिया, पहले लगभग 9 प्रतिशत, उसके बाद 11 प्रतिशत का अवमूल्यन किया गया। रुपये के अवमूल्यन के साथ, हमारा निर्यात सस्ता हो गया, जो हमारे बिगड़ते व्यापार असंतुलन के लिए एक आवश्यक सुधार है। हमारे चालू खाते के घाटे से निपटने के लिए एक आपातकालीन उपाय के रूप में, भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू खाते के घाटे को कम करने के लिए लगभग +400 मिलियन जुटाने के लिए बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास अपनी सोने की हिस्सेदारी गिरवी रख दी। इसके बाद भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधारों की एक श्रृंखला डॉक्टर सिंह ने शुरू की जिसे उन्होंने ष्मानवीय चेहरे के साथ सुधारष कहा। औद्योगिक नीति, 1991 की शुरुआत के साथ लाइसेंस राज को खत्म करने की प्रस्तावना लिखी गई। इस संकट से उबरने के लिए मनमोहन सिंह ने इस बजट में भारतीय बाजार को विदेशी कंपनियों के लिए खोल दिए। इस कदम से सरकार को चंद महीनों में ही पहली सफलता मिली, जब दिसंबर 1991 में भारत सरकार विदेशों में गिरवी रखा सोना छुड़वा कर आरबीआई को सौंपने में कामयाब रही। विदेशी पूंजी के इस प्रवाह ने देश को बदलना शुरू किया, लोगों के पास ज्यादा पैसा आया, जीवनशैली बदली। दुनिया के बड़े ब्रांड्स ने भारत में दस्तक दीय नौकरियां और उद्योग बढ़े। ग्लोबलिजेशन की यह नयी व्यवस्था 'सर्वाइबल आफ द फिटेस्ट' की व्यवस्था है। जब देश का राजकोषिय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 8.5 फीसदी के आस–पास था, तब सिंह ने उसे सिर्फ एक साल के अंदर 5.9 फीसदी तक ला दिया था। देश में ग्लोबलाइजेशन की शुरुआत 1991 में सिंह ने ही की थी। उन्होंने भारत को दुनिया के बाजार के लिए तो खोला ही, बल्कि निर्यात और आयात के नियमों को भी सरल बनाया। मनमोहन सिंह ने तीन कैटेगरी में बड़े बदलाव किए – उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण जिसके तहत विदेश व्यापार उदारीकरण, वित्तीय उदारीकरण, कर सुधार और विदेशी निवेश जैसे बदलाव किये गए थे। आसान शब्दों में कहें तो किसी वस्तु का कितना उत्पादन होगा और उसकी कितनी कीमत होगी, इसका फैसला सरकार नहीं बल्कि बाजार पर छोड़ दिया गया। 2004 से 2014 जब वो प्रधानमंत्री थे, भारतीय अर्थव्यवस्था के 10 स्वर्णिम वर्ष थे। इस उल्लेखनीय दशक में भारत की जीडीपी औसतन 8.1: की दर से बढ़ी। 2006–07 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि रिकॉर्ड 10.08: तक पहुंच गई। 2007 में, भारत ने 9: की अपनी उच्चतम सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर हासिल की और दुनिया में दूसरी सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा। 2005 में, सिंह की सरकार ने वैट कर लागू किया जिसने जटिल बिक्री कर का स्थान ले लिया। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) 2005, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआईध्आधार) 2009 , महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 (मनरेगा), बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (आरटीई)), 2011 में शहरों में गरीबों और बेघरों को आवास प्रदान करने वाली राजीव आवास योजना (आरएवाई), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013, आदि उनके प्रमुख कदम हैं जिन्होंने देश को बदल दिया। डॉक्टर मनमोहन सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़े पैमाने पर आर्थिक सुधारों की कवायद की और उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था की ओवरहॉलिंग में महत्वपूर्ण योगदान दिया है इससे कोई इंकार नहीं कर सकता। 1991 में इसका विदेशी कर्ज 35 बिलियन डॉलर से दोगुना होकर 69 बिलियन डॉलर हो गया था। भारत के पास पैसा और समय दोनों बहुत कम थे। इसके पास विदेशी मुद्रा भंडार +6 बिलियन से भी कम था – जो देश के केवल दो सप्ताह के आयात को पूरा करने के लिए पर्याप्त था। विदेशी पूंजी निवेश पर सरकारी नियंत्रण था। आयात के लिए जटिल लाइसेंसिंग सिस्टम था। चीन और पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध, शेयर बाजार में हो रहे घपले, उत्पादन के क्षेत्र में सरकारी नियंत्रण आदि अर्थव्यवस्था की रफ्तार को थामे हुए थे, देश आर्थिक पतन के कगार पर था और इसे बचाने के लिए उन्होंने जुलाई 1991 में रुपये का दो बार अवमूल्यन का निर्णय लिया, पहले लगभग 9 प्रतिशत, उसके बाद 11 प्रतिशत का अवमूल्यन किया गया। रुपये के अवमूल्यन के साथ, हमारा निर्यात सस्ता हो गया, जो हमारे बिगड़ते व्यापार असंतुलन के लिए एक आवश्यक सुधार है। हमारे चालू खाते के घाटे से निपटने के लिए एक आपातकालीन उपाय के रूप में, भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू खाते के घाटे को कम करने के लिए लगभग +400 मिलियन जुटाने के लिए बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास अपनी सोने की हिस्सेदारी गिरवी रख दी।

अंदर मौजूद 'इनर चाइल्ड' का दुख-दर्द साझा करें

सरकारी स्कूल की चौथी क्लास में एक बच्चा दाखिल हुआ। मगर हर दूसरे दिन क्लास में लेट आता था। टीचर परेशान। इतनी डांट पड़ने के बाद भी बच्चे पर कोई असर नहीं! एक दिन टीचर ने ठान लिया कि उसके घर जाकर माता–पिता को बोलता हूं– कितने लापरवाह हैं! रजिस्टर से अता–पता निकालकर वो उसके कच्चे मकान तक पहुंचे। शाम के पांच बजे थे, दरवाजा लड़के ने खोला। 'अपनी मां को बुलाओ', टीचर गरजे। 'वो नहीं हैं', उसने जवाब दिया। 'ठीक है, मैं इंतजार करता हूं', ये कहकर टीचर बैठ गए। पीछे से खिलखिलाती आवाज आई, वो लड़के की छोटी बहन थी। 'मास्टरजी, मां तो अब इस दुनिया में नहीं हैं।' टीचर हक्के–बक्के रह गए। पता चला कि बच्चों की मां दो साल पहले गुजर गईं, पिता सुबह–शाम दो नौकरी करके रोजी–रोटी कमा रहे थे। बहन को और खुद को तैयार करके, नाश्ता बनाकर लड़का स्कूल के लिए निकलता था। उस दिन के बाद मास्टरजी ने लड़के की तरफ नजरिया बदल दिया। वो अब भी देर से आता, उसे डांट नहीं पड़ती। उल्टा मास्टरजी छोटी–छोटी बातों में उसकी प्रशंसा करने लगे। जैसे कि बेटा तुम्हारी हैंडराइटिंग अच्छी है, थोड़ी प्रैक्टिस करो तो और सुंदर लिख पाओगे। लड़का प्यार का भूखा था। थोड़ा बढ़ावा मिला, तो पढ़ाई में मन लगाना शुरू किया। साल के अंत में रिजल्ट आया, वो कक्षा में तीसरे स्थान पर था। मास्टरजी को अहसास हुआ कि ये बच्चा कुछ और दिन डांट खाता तो शायद फेल हो जाता या स्कूल छोड़ देता। कहने का मतलब ये है कि जब हमारे सामने कोई व्यक्ति खड़ा है तो हम उसके बारे में अपने मन में पहले ही एक कहानी बना लेते हैं। किसी ने हमें ठीक तरह से हैलो नहीं बोला, हम सोचते हैं कि वो कितना घमंडी है। थोड़े पैसे क्या आ गए, अपने आपको मुझसे बड़ा समझने लगे। कुछ लोग ऐसी सोच के हो सकते हैं। मगर ज्यादातर लोग जब आपसे 'ठीक से बात नहीं करते' तो हो सकता है कि वो शायद खुद परेशान हों। हो सकता है घर में कोई बीमार हो या फिर पैसों की कोई प्रॉब्लम। या फिर बस, आजकल काम का स्ट्रेस बहुत है। शायद मिलने–जुलने की इच्छा भी नहीं पर फंक्शन में नहीं आएंगे, तो आप बुरा मान जाओगे। हम एक–दूसरे से पूछते जरूर हैं कि 'हाऊ आर यू', पर ये जानना नहीं चाहते। जवाब मिलता है, 'सब ठीक'। जबकि कुछ ठीक नहीं। एक मुखौटा पहन लिया, दुनिया से सच्चाई छुपाने के लिए। मगर अफसोस, सामने वाला फिर भी नाराज। उन्होंने आपको दोषी मानकर जजमेंट पास कर दिया। कड़वे शब्दों का असर बहुत बुरा पड़ता है, खासकर बच्चों पर। चाहे आप टीचर हों या पैरेंट, आपके कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। अगर बिना सोचे–समझे बच्चे को कुछ कह दिया और वो तीर की तरह उसके दिल में चुभ गया, तो जिंदगी भर वो शब्द उसके दिमाग में गूंजते रहेंगे। 'तू गधा है, नालायक है' अगर बच्चे के मासूम मन ने इसको मान लिया, तो ये उसके जीवन का सच होगा। याद कीजिए, क्या बचपन में किसी ने आपको कुछ ऐसा कह दिया, जिसे आपने सच मान लिया? जिसकी वजह से आपने खुद को छोटा महसूस किया? क्या आज भी वो शब्द आपके अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर रहे हैं? तो आंखें मूंदकर उस नन्हे बच्चे को याद कीजिए, जो आपके अंदर हमेशा मौजूद है। जिसे मनोवैज्ञानिक कहते हैं 'इनर चाइल्ड।' क्या वो बच्चा हंस रहा है, मुस्करा रहा है या दर्द में है? उसे अपने मन के पर्दे पर लाकर बात कीजिए। उसके आंसू पोंछिए। उसे गले से लगा लीजिए। बोलिए, मैं हमेशा तुम्हारे पास हूं, तुम्हारे साथ हूं। तुम्हें कोई तकलीफ नहीं होने दूंगा। उसे वो सारा प्यार दीजिए, जो आप अपने मां–बाप से चाहते थे और शायद पूरी तरह नहीं मिला। क्योंकि मां–बाप भी देवता नहीं, इंसान होते हैं। उनसे गलती हो सकती है, आपसे भी होगी। ये अभ्यास रोज सुबह करें, सिर्फ पांच मिनट के लिए। धीरे–धीरे देखेंगे, जो मुस्कराहट सिर्फ होठों पर थी वो अब आंखों में भी झलक रही है। मीठे शब्द के बाण, लगे सही निशान। हो सबका कल्याण। टीचर हक्के–बक्के रह गए। पता चला कि बच्चों की मां दो साल पहले गुजर गईं, पिता सुबह–शाम दो नौकरी करके रोजी–रोटी कमा रहे थे। बहन को और खुद को तैयार करके, नाश्ता बनाकर लड़का स्कूल के लिए निकलता था। उस दिन के बाद मास्टरजी ने लड़के की तरफ नजरिया बदल दिया। वो अब भी देर से आता, उसे डांट नहीं पड़ती। उल्टा मास्टरजी छोटी–छोटी बातों में उसकी प्रशंसा करने लगे। जैसे कि बेटा तुम्हारी हैंडराइटिंग अच्छी है,।

28 राज्यों व 8 केन्द्र शासित प्रदेशों की कला-संस्कृति का प्रतीक प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव-20223 30 नवम्बर से - सम्पूर्ण देश का हस्तशिल्प होगा आकर्षण का केन्द्र

- विभिन्न राज्यों के स्टॉल्स संग होगी सरकारी विभागों की सहभागिता

- मुख्य मंच पर होंगी अनेक राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

लखनऊ। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट एवं प्रगति इवेंट के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 30 नवम्बर 2023 से 14 दिसम्बर 2023 तक 15 दिवसीय प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव– 2023 का आयोजन लखनऊ में किया जायेगा। इस बात की जानकारी आज संस्था के प्रशासनिक कार्यालय बर्लिंग्टन मॉल लखनऊ में सम्पन्न हुई आयोजन समिति की बैठक के उपरान्त प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव– 2023 की थीम इस वर्ष आत्म निर्भर भारत की ओर बढ़ते कदम सम्पूर्ण भारत एक मंच होगी। श्री सिंह ने बताया कि प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव में 28 राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, पंजाब, ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, झारखंड, जम्मू–कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, हरियाणा, गोवा, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, तमिलनाडु एवं 8 केन्द्र शासित प्रदेशों अण्डमान निकोबार, दादर नगर हवेली, दमन और दीव, लक्ष्यद्वीप, चंडीगढ़, दिल्ली और पांडिचेरी की कला संस्कृति, पर्यटन, हस्त शिल्प, देशी उत्पाद, वस्त्र, फर्नीचर, मसाले, हैण्डलूम हैण्डी क्राफ्ट सहित अन्य चीज के स्टाल और पैवेलियन के अलावा उत्तर प्रदेश के एक जिला एक उत्पाद, खादी ग्रामोद्योग, उत्तर प्रदेश पर्यटन, नाबार्ड, बैंक, सिडबी, राज्य आजीविका मिशन सहित अन्य सरकारी विभागों की सहभागिता होगी।

उन्होंने बताया कि प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव, इंटरनेट माध्यम के जरिये देश विदेश के लोगों से जुड़ेगा । इसके अलावा महोत्सव से, अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए महोत्सव के फेसबुक लिंक का प्रयोग सजीव प्रसारण के लिए किया जायेगा। विनोद कुमार सिंह ने बताया कि 30 नवम्बर 2023 से 14 दिसम्बर 2023 तक होने वाले 15 दिवसीय प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव में निःशुल्क प्रगति भारत टैलेण्ट हण्ट–2023 का आयोजन किया जायेगा, इसके तहत बच्चों व युवाओं की गायन, नृत्य, वादन, किड्स मॉडलिंग, मेहदी, रंगोली, कबाड़ से जुगाड़, सिलाई, चित्रकला, निबंध लेखन, साइकिल रेस, खो–खो, कबड्डी, मिस्टर मिस और मिसेज प्रगति भारत प्रतियोगिताएं होंगी।

बैठक में प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एन. बी. सिंह ने बताया कि प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव– 2023 में भारत के 28 राज्यों और 8 केन्द्र शासित प्रदेशों के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली अनेक विभूतियों को प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव रत्न सम्मान से सम्मानित किया जायेगा, जिसमें महिलायें, जिसमें पुरुष और बच्चे शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव– 2023 की सांस्कृतिक संध्या में रोजाना भारत के विभिन्न राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम जैसे उत्तर प्रदेश का ख्याल नृत्य, रास नृत्य, झूला नृत्य, मयूर नृत्य, धोबिया नृत्य, चरकुला नृत्य, कठफोड़वा नृत्य, जोगिनी नृत्य, आल्हा ऊदल गायन, राजस्थान का घूमर नृत्य, कालबेलिया नृत्य, तेराताली नृत्य, गैर नृत्य, पंजाब का गिद्दा भांगड़ा, हरियाणा का झूमर नृत्य, बिहार का जाट जाटिन नृत्य, झारखंड का फगुआ नृत्य, करमा नृत्य, महाराष्ट्र का लावणी नृत्य, दसावतार और डिंडी नृत्य, गुजरात का गरबा नृत्य के साथ अन्य राज्यों के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा कवि सम्मेलन, मुशायरा, जादू, कठपुतली, बिरहा और आल्हा के कार्यक्रम होंगें।

वेलसन मेडीसिटी ने वर्ल्ड हार्ट डे के अवसर पर वाकेथोन का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। वेलसन मेडीसिटी हॉस्पिटल में आज दिनांक 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे के अवसर पर एक जागरूकता वाकेथोन का आयोजन किया गया।

इस वाकेथोन का उद्देश्य था कि आम जनता को जागरूक किया जाए कि वो अपने हार्ट को स्वस्थ कैसे रखें, जन साधारण को बताना है कि वो स्वस्थ हार्ट के लिए अपनी जीवन शैली को नियमित करें और व्यायाम, भोजन एवं दिनचर्या पर विशेष ध्यान दें। क्योंकि स्वस्थ तन ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है।

वेलसन मेडिसिटी के कैम्पस से वाकेथोन को वृंदावन क्षेत्र, खरिका वार्ड 2 की पार्षद रजनी अवस्थी एवं वेलसन हॉस्पिटल के चेयरमैन डाक्टर शैलेश त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस वाकेथोन में वृन्दावन क्षेत्र एवं लखनऊ शहर के अनेकों अनेक गणमान्य व्यक्तियों एवं संस्थान के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया। संजीव कुमार अवस्थी ने भी इस आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आज इस अवसर पर वेलसन हॉस्पिटल के कार्डियक साइंसेज विभाग के चेयरमैन डाक्टर मोहम्मद मुबीन, कार्डियोलॉजी विभाग के निदेशक डॉक्टर सतेंद्र तिवारी , सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर मोहम्मद तारिक अली, कंसल्टेंट डॉक्टर गौरव पांडे ने भाग लिया और इन सभी कार्डियक साइंसेज के चिकित्सकों ने जनता को बताया कि कैसे आप अपने ह्रदय को स्वस्थ रखें और कैसे अपनी दिनचर्या को ठीक करें। आशुतोष सोती

निदेशक (मीडिया – पीआर) ने उक्त जानकारी दी।

30 नवम्बर से आयोजित प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव-2023 में दिखेगी 28 राज्यों व 8 केन्द्र शासित प्रदेशों की कला-संस्कृति

सम्पूर्ण देश का हस्तशिल्प होगा आकर्षण का केन्द्र
विभिन्न राज्यों के स्टॉल्स संग होगी सरकारी विभागों की सहभागिता
मुख्य मंच पर होंगी अनेक राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ, 29 सितम्बर 2023। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट एवं प्रगति इवेंट के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 30 नवम्बर 2023 से 14 दिसम्बर 2023 तक 15 दिवसीय प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव–2023 का आयोजन लखनऊ में किया जायेगा। इस बात की जानकारी आज संस्था के प्रशासनिक कार्यालय बर्लिंग्टन मॉल लखनऊ में सम्पन्न हुई आयोजन समिति की बैठक के उपरान्त प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव– 2023 की थीम इस वर्ष श्आत्म निर्भर भारत की ओर बढ़ते कदम – सम्पूर्ण भारत एक मंच श होगी। श्री सिंह ने बताया कि प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव मे 28 राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, पंजाब, ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, झारखंड, जम्मू–कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, हरियाणा, गोवा, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, तमिलनाडु एवं 8 केन्द्र शासित प्रदेशों अण्डमान– निकोबार, दादर नगर हवेली, दमन और दीव, लक्ष्यद्वीप, चंडीगढ़, दिल्ली और पांडिचेरी की कला संस्कृति, पर्यटन, हस्त शिल्प, देशी उत्पाद, वस्त्र, फर्नीचर, मसाले, हैण्डलूम–हैण्डी क्राफ्ट सहित अन्य चीजों के स्टाल और पैवेलियन के अलावा उत्तर प्रदेश के एक जिला एक उत्पाद, खादी ग्रामोद्योग, उत्तर प्रदेश पर्यटन, नाबार्ड, बैंक, सिडबी, राज्य आजीविका मिशन सहित अन्य सरकारी विभागों की सहभागिता होगी।

उन्होंने बताया कि प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव, इंटरनेट माध्यम के जरिये देश विदेश के लोगों से जुड़ेगा । इसके अलावा महोत्सव से, अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए महोत्सव के फेसबुक लिंक का प्रयोग सजीव प्रसारण के लिए किया जायेगा।

विनोद कुमार सिंह ने बताया कि 30 नवम्बर 2023 से 14 दिसम्बर 2023 तक होने वाले 15 दिवसीय प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव में निःशुल्क प्रगति भारत टैलेण्ट हण्ट–2023 का आयोजन किया जायेगा, इसके तहत बच्चों व युवाओं की गायन, नृत्य, वादन, किड्स मॉडलिंग, मेंहदी, रंगोली, कबाड़ से जुगाड़, सिलाई, चित्रकला, निबंध लेखन, साइकिल रेस, खो–खो, कबड्डी, मिस्टर–मिस और मिसेज प्रगति भारत प्रतियोगिताएं होंगी।

बैठक में प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एन.बी. सिंह ने बताया कि प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव–2023 में भारत के 28 राज्यों और 8 केन्द्र शासित प्रदेशों के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली अनेक विभूतियों को प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव रत्न सम्मान से सम्मानित किया जायेगा, जिसमें महिलायें, पुरूष और बच्चे शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव–2023 की सांस्कृतिक संध्या में रोजाना भारत के विभिन्न राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम जैसे उत्तर प्रदेश का ख्याल नृत्य, रास नृत्य, झूला नृत्य, मयूर नृत्य, धोबिया नृत्य, चरकुला नृत्य, कठफोड़वा नृत्य, जोगिनी नृत्य, आल्हा–ऊदल गायन, राजस्थान का घूमर नृत्य, कालबेलिया नृत्य, तेराताली नृत्य, गेर नृत्य, पंजाब का गिद्दा–भांगड़ा, हरियाणा का झूमर नृत्य, बिहार का जाट जाटिन नृत्य, झारखंड का फगुआ नृत्य, करमा नृत्य, महारास्ट्र का लावणी नृत्य, दसावतार और डिंडी नृत्य, गुजरात का गरबा नृत्य के साथ अन्य राज्यों के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा कवि सम्मेलन, मुशायरा, जादू, कठपुतली, बिरहा और आल्हा के कार्यक्रम होंगें।

एन.बी. सिंह ने आगे बताया की प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव के फूड जोन में राजस्थानी, पंजाबी, साउथ इण्डियन, गुजराती, चाइनीज, अवधी–मुगलई के अलावा देशी बाटी चोखे के स्टाल आकर्षण के केन्द्र होंगे। इसके अलावा फन जोन में बच्चों और युवाओं के लिए तमाम तरह के आकर्षक झूले होंगे। प्रगति भारत हस्तशिल्प महोत्सव में भारत के हस्तशिल्पियों को बढावा देने के लिए 28 राज्यों और 8 केन्द्र शासित प्रदेशों के हैण्डलूम हैण्डीक्राफ्ट्स, खादी ग्रामोद्योग, आटोमोबाइल, इलेक्ट्रानिक के समान, सहारनपुर का फर्नीचर, भदोही का कालीन, कश्मीर और लद्दाख में बने हुए गर्म कपड़े, शाल, गुजरात की सड़ियां व लहंगे, कानपुर का चमडे का सामन, घरेलू सामानों और लघु इकाइयों द्वारा निर्मित अचार, पापड़, क्रॉकरी, मेवे व अन्य सामानों के स्टाल और पैवेलियन होंगे। बैठक में अरुण कुमार दुबे, कृष्णानन्द राय, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, प्रिया सिंह चौहान, ज्योति सिंह, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी अरविंद सक्सेना सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

जन्मदिन पर आशियाना परिवार ने भाजपा नेत्री तूलिका त्रिपाठी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आशियाना परिवार द्वारा आशियाना परिवार की (कार्यकत्री) तूलिका त्रिपाठी का जन्म दिन मनाया गया तथा भाजपा नेत्री तूलिका त्रिपाठी को बुके, शॉल एवम् मोमेंटो उपहार भेंटकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। आशियाना परिवार लखनऊ द्वारा

शारदीय नवरात्रि पर्व पर कन्या पूजन/सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आशियाना परिवार लखनऊ द्वारा शारदीय नवरात्रि पर्व पर (सप्तमी तिथि) दिनाक 21/10/2023 दिन शनिवार समय 11 बजे आशियाना कालोनी सेक्टर झ स्थित श्री जगदमेश्वर महादेव मंदिर परिसर में कन्या पूजन/सम्मान कार्यक्रम तथा भजन एवं फलाहार भंडारा आयोजित किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने हेतु आशियाना परिवार के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की एक आवस्यक बैठक की गईं।

आशियाना परिवार द्वारा आशियाना परिवार की (कार्यकत्री) तूलिका त्रिपाठी का जन्म दिन भी मनाया गया तथा तूलिका त्रिपाठी को बुके, शॉल एवम मोमेंटो उपहार देकर सम्मानित किया गया। वहा उपस्थित सभी लोगों ने ईश्वर से तूलिका त्रिपाठी के उत्तम स्वास्थ एवं दीर्घ आयु की कामना की।

आर डी द्विवेदी अध्यक्ष आशियाना परिवार की अध्यक्षता में जगदंबेश्वर महादेव (शिव) मंदिर में आयोजित की गई।इस बैठक में कार्यक्रम के रूपरेखा की तैयारी एवं सदस्यों के मध्य कार्यक्रम का विभाजन तय किया गया। बैठक में निम्नलिखित गणमान्य उपस्थित रहे। आशियाना परिवार के अध्यक्ष आर डी द्विवेदी, के के शर्मा , एस एन पांडे, सी एस भंडारी, राजेंद्र पांडे, (पूर्व पार्षद) अशोक अवस्थी, के पी उपाध्याय, बृजेश तिवारी, प्रेम कृपलानी, टीटू कैटर्स, डाक्टर साधना जग्गी, तूलिका त्रिपाठी , विजय लक्ष्मी पांडेय, किरन पांडे,सपना वागची,मधु झा, ललिता मिश्रा , उषा तिवारी आदि उपस्थित रहे।

ठाकुरबाड़ी महिला विकाश समिति द्वारा पोषाहार किट वितरण/महिला एस.एच जी. को बढ़ावा

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रधानमंत्री टीबीमुक्त भारत अभियान योजना के तहत गुरुवार को सामाजिक संस्था ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति की ओर से गोद लिए गए 104 टीबी मरीजों को सिंगरामऊ स्थित संस्था के मुख्यालय गौरी शंकर मंदिर पर पोषाहार किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डब्लू. एच. ओ. के कंसल्टेंट पूर्व वैज्ञानिक आई. सी.एम.आर. पब्लिक हेल्प रिसर्चर डॉ. विनोद कुमार वी.जी. एवं संस्था प्रमुख ने सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया ।

मुख्य अतिथि ने रास्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के प्रमुख बिन्दुओं पर प्रकाश डाला एवं सरकार के द्वारा दी जा रही सुविधाओं का जिक्र करते हुए पोषण की आवश्यकता पर बल दिया सभी रोगियों को दवा के साथ साथ संस्था द्वारा दिए जा रहे प्रोटीन युक्त पोषाहार को नियमित रूप से लेने की सलाह दी उन्होंने संस्था को राज्यपाल के द्वारा सम्मानित किये जाने पर संस्था प्रमुख एवं सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी

कार्यक्रम का संचालन शुभम सिंह ने किया ।

पोषाहार किट संस्था द्वारा गठित स्वंय सहायता समूह की महिलाओं, मुख्यतः सुनीता देवी, श्यामा देवी एवं शोभावती देवी को सम्मानित किया गया जिनके द्वारा पोषाहार पैक कर दिया जा रहा है ।

सरस्वती वंदना व स्वागत गीत अंजू मिश्रा, निधि सिंह एवं साक्षी तिवारी द्वारा प्रस्तुत किया गया ।

इस अवसर पर अति. प्रा. स्वा. केंद्र के प्रभारी डॉ. अभिषेक वर्मा, डॉ. मुन्ना पण्डेय, लैब असि. सीएल निगम, बदलापुर के एसटीएस तरुण कुमार, अनिल शर्मा, लालमणि मिश्र, सत्यजीत मौर्य, मंजू सिंह, आशुतोष शुक्ल, जबी अख्तार, रमाशंकर आदि उपस्थित रहें ।

World Rabies Day पर सुनील यादव

अध्यक्ष

फार्मासिस्ट फेडरेशन ने जनहित में की अपील

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।सुनील यादव अध्यक्ष फार्मासिस्ट फेडरेशन ने

जनहित में अपील करते हुए कहा कि कुत्ता बिल्ली आदि के काटने पर तुरंत रेबीज का इंजेक्शन लगवाना चाहिए क्योंकि वैक्सीन ही एकमात्र इलाज है, रेबीज हो जाने के बाद हंड्रेड परसेंट मृत्यु दर है किसी भी मरीज को बचाया नहीं जा सकता है।

रेबीज की वैक्सीन सभी सरकारी चिकित्सालय में उपलब्ध है जो निशुल्क है, कुत्ते के काटने पर उसे स्थान को साबुन के साथ नल के नीचे लाकर लगभग 15 मिनट तक धोना चाहिए उसे स्थान की ड्रेसिंग ना करें चिकित्सालय में दिखाएं ।

जागरूकता ही बचाव है ।

परीक्षा संबंधी उत्तर कुंजी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में संचालित बी.ए., बी.एससी. बी.काम., बी.एससी.एजी. बी.बी.ए., बी.सी.ए. द्वितीय सेमेस्टर एवं बी.बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की सम्पन्न हुई परीक्षा– 2023 की उत्तर कुंजी विश्वविद्यालय की वेबसाइट– www-vbspu-ac-in पर अपलोड कर दी गयी है।

यदि किसी अभ्यर्थी को किसी प्रश्न के उत्तर पर आपत्ति हो तो वह 04 अक्टूबर 2023 के सायं 5.00 बजे तक सम्बन्धित अभिलेखों ध् साक्ष्यों की पठनीय प्रति की पीडीएफ के साथ अपनी आपत्ति ई–मेल eÛamcontroller 18219@gmail-com पर भेज सकते हैं। उपर्युक्त माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम से भेजी गयी आपत्ति एवं निर्धारित तिथि ध् समय के उपरान्त प्राप्त आपत्ति अथवा सम्बन्धित साक्ष्य संलग्न न होने की दशा में प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने दी है।

एम.एड.में प्रवेश हेतु प्रथम काउंसलिंग 9 अक्टूबर से

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। एम.एड. पाठ्यक्रम सत्र 2023–25 में प्रवेश हेतु 05 सितंबर 2023 को सम्पन्न प्रवेश परीक्षा का परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर 20 सितम्बर 2023 को अपलोड हो गया है। उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रथम काउंसिलिंग 9 और 10 अक्टूबर 2023 को पूर्वाह्न 10 बजे से विश्वविद्यालय परिसर के इंजीनियरिंग संस्थान के विशेश्वरैया हाल में होगी।

अभ्यर्थी अपना काउंसिलिंग पत्र 05 अक्तूबर 2023 से विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध लिंक से डाउनलोड कर सकते है। साथ ही यह भी निर्देशित किया जाता है कि प्रपत्र ष्कष् एवं ष्खष् विश्वविद्यालय की वेबसाईट से डाउनलोड कर सम्बन्धित प्रपत्रों की प्रतियां काउंसिलिंग पत्र ध् काउंसिलिंग हेतु जारी दिशा–निर्देश प्रपत्र में दिये गये निर्देशों के अनुसार पूरित कर काउंसिलिंग स्थल पर उपस्थित हों। उक्त समस्त जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध है।

जेवर एयरपोर्ट की पहचान अब डीएक्सएन कोड से होगी, आईएटीए ने किया अनावरण, यह है इसकी उपयोगिता

लखनऊ (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आएटा) ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को अंतरराष्ट्रीय पहचान वाला तीन अक्षरों का कोड जारी कर दिया है। यह डीएक्सएन (क्ग्छ) कोड विश्वभर में टिकट बुकिंग में एयरपोर्ट की पहचान के काम आएगा। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने डीएक्सएन कोड का अनावरण किया। मौके पर उन्होंने एयरपोर्ट पर जारी निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट भी पेश की। डीएक्सएन (क्ग्छ) दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (क्ग्ठ) से मिलता–जुलता कोड नोएडा एयरपोर्ट को मिलने पर अधिकारियों ने हर्ष जताया है। स्विटजरलैंड की ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट एजी कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड बनाकर नोएडा हवाईअड्डे का निर्माण करा रही है। वर्ष 2024 के मध्य तक इसे तैयार किया जाना है। सीओओ किरण जैन ने बताया कि टाटा प्रोजेक्ट्स को ईपीसी कंस्ट्रक्शन कांट्रैक्ट दिए हुए एक वर्ष से अधिक समय हो गया है। वर्तमान में पैसेंजर टर्मिनल की छत के लिए संरचनात्मक स्टील पर काम जारी है। एटीसी टॉवर अब 30 मीटर से अधिक की ऊंचाई तक खड़ा हो चुका है। 3900 मीटर लंबे रनवे के साथ सबग्रेड कार्य प्रगति पर है। करीब 7000 कामगार साइट पर पूरी तरह से जुटे हुए हैं। कुछ माह में साइट पर पैसेंजर टर्मिनल, एयर ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर, ऑफिस ब्लॉक, सीवेज और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, इलेक्ट्रिक सबस्टेशन समेत 20 से अधिक इमारतें बन जाएंगी। उन्होंने बताया कि कंपनी की ओर से आएटा को तीन विकल्प दिए गए थे। इनमें से इंटरनेशनल एयरपोर्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने डीएक्सएन नाम आवंटित किया है। डी से दिल्ली, एक्स से कनेक्टिविटी और एन से नोएडा प्रतिबिंबित करता है। वहीं सीईओ क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि भारत का दिल्ली–एनसीआर रीजन विश्व के सबसे बड़े शहरी जोन में से एक है। ऐसे में यहां एक और हवाई अड्डे की दरकार है। आईएटीए की ओर से जारी किए गए कोड से सभी उत्साहित हैं।

अधिकारियों ने बताया कि यह कोड यात्रियों और एविएशन प्रोफेशनल्स को भ्रम और गलतियों से बचने में भी मदद करेगा। इससे तेजी से और सटीक गंतव्य की पहचान करने और संवाद करने में भी मदद मिलेगी। आईएटीए कोड प्रत्येक एयरपोर्ट के लिए यूनीक आईडी देता है। यह विश्वभर के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को विशेष पहचान देता है। यह कोड न केवल यात्रियों के यात्रा दस्तावेज पर दर्ज होते हैं, बल्कि प्रतिदिन के विभिन्न संवाद में भी काम आता है। फ्लाइट शेड्यूल, टिकटिंग, एयरपोर्ट से दूसरे एयरपोर्ट तक बैगेज हैंडलिंग से लेकर ऑपरेशन और लॉजिस्टिक को सुव्यवस्थित करने में आईएटीए कोड का इस्तेमाल किया जाता है।

विधानसभा चुनाव 2023 : एमपी व राजस्थान का चुनावी प्रबंधन देखेंगे यूपी के नेता

लखनऊ (संवाददाता)। राजस्थान और मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा की चुनावी बागडोर उत्तर प्रदेश के दिग्गज मंत्रियों और पार्टी के पदाधिकारियों के हाथ रहेगी। एक छोर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक प्रचार करेंगे तो दूसरी ओर प्रदेश सरकार के मंत्री और पार्टी पदाधिकारी चुनावी प्रबंधन देखेंगे। मध्य प्रदेश में भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा में सीएम योगी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद, ब्रजेश पाठक और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री बेबीरानी मौर्य शामिल होंगी। यहां चुनाव प्रबंधन की कमान सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर के हाथ में है। उन्हें भोपाल संभाग के 25 विधानसभा क्षेत्रों का प्रभारी भी बनाया है। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेयी को एमपी में दस विधानसभा और तीन लोकसभा क्षेत्रों का प्रभारी बनाया गया है। राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह को राजस्थान का प्रभारी बनाया गया हैं। यहां प्रदेश महामंत्री गोविंद शुक्ला को जयपुर में प्रदेश मुख्यालय पर चुनावी व्यवस्थाओं के लिए तैनात किया गया है। पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह अजमेर संभाग के अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक और नागौर के 29 विधानसभा क्षेत्रों का प्रभारी बनाया गया है।

चौन स्नैचर गिरोह का शिकार होने पर महिला सिपाही ने किया हंगामा

गैर जिले से आये चौन स्नैचर गिरोह पर अंकुश लगाने में पुलिस असफल

अयोध्या।शहर में गैर जिलो से पुरुषों के अलावा महिलाएं भी चौन स्नैचिंग की वारदात करने से नहीं चूक रही है।अभी कुछ दिन पहले इस गिरोह में शामिल आरोपी महिला कोतवाली नगर पुलिस ने जनौरा से तथा दर्शन नगर स्थित सूर्यकुण्ड मेले के समय अयोध्या पुलिस ने इस गिरोह में शामिल कुछ महिलाओं को गिरफ्तार किया था।जिससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहर में यह गिरोह काफी रुप से सक्रिय है।परंतु इस गिरोह पर अंकुश लगाने में पुलिस असफल दिखाई दे रही है।शुक्रवार को कोतवाली नगर क्षेत्र के चौक घंटाघर पर पुलिस लाइन मुख्यालय पर तैनात पीड़ित महिला पुलिस कर्मी के मुताबिक उसके गले का चौन किसी ने पार कर दिया।उन्होंने बताया कि वह अपने गांव मसकनवा से वापस ड्यूटी करने पुलिस लाइन मुख्यालय ऑटो से आ रही थी।इस बात की भनक उक्त महिला सिपाही को जब तक लगती तब तक आरोपी भाग चुके थे।जिस पर उसने काफी हंगामा काटा।

इसके बाद चौकी चौक व चौकी रिकाबगंज पुलिस ने वहां पर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला।चौकी प्रभारी चौक ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में है,सीसीटीवी फुटेज की मदद से जानकारी ली जा रही है।फिलहाल इस समय कोतवाली नगर क्षेत्र के होटल पंचशील के आसपास,साईदाता की कुटिया,देवकाली बाईपास, नाका बाईपास, शांति नगर चौराहा, रिकाबगंज, चौक,फतेहगंज, रीडगंज,बेनीगंज,रोडवेज स्टेशन,जनौरा सहित कई ऐसे चौराहे और सूनसान स्थान है जहां पर यह गिरोह सक्रिय है।जो ऑटो या अन्य सवारी में बैठकर इस तरह का वारदात कर रहे हैं जिसमें अभी कुछ दिनों पूर्व ऑटो में बैठकर इस तरह का का वारदात कर आराम से निकल जा रहे है।

दीपोत्सव से होगा प्राण प्रतिष्ठा उत्सव का आगाज-मुकेश मेश्राम

दुल्हन की तरह सजेगी रामनगरी अयोध्या, होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

अयोध्या। (डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)उ.प्र. पर्यटन विभाग तीन माह तक रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मनाएगा, जो दीपोत्सव के साथ शुरू हो जाएगा। दस दौरान रामनगरी अयोध्या को दुल्हन की तरह सजाया जायेगा,करीब 12 स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किए जाएंगे।उक्त् जानकारी प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश मेश्राम ने दी। वह बुधवार को एक होटल में पर्यटन व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दीपोत्सव व प्राण–प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने बताया कि राम मंदिर में प्राण–प्रतिष्ठा का आयोजन लिए सात दिवसीय अनुष्ठान से सम्पन्न किया जाएगा। दीपोत्सव से ही रामनगरी में श्रीराम के आगमन की तैयारियां नजर आने लगेंगी। राम की पैड़ी समेत अयोध्या कुंडों पर भी लाइट और साउंड सिस्टम का आयोजन किया जाएगा। प्रमुख सचिव ने कहा कि इस बार रामलला के अस्थाई मंदिर का आखिरी दीपोत्सव बेहद खास होगा। उन्होंने बताया कि अयोध्या के सभी मठ–मंदिरों को दीपोत्सव से पहले फसाड लाइट से सजाने का काम किया जा रहा है। इसमें प्राचीन इमारत, प्राचीन मठ– मंदिर प्रमुख है। दीपोत्सव के लिए अयोध्या को तैयार करने के लिए तमाम कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। जो प्राण प्रतिष्ठा तक दिखेगा। जिसमें प्रमुख रूप से लेजर शो साउंड और सांस्कृतिक कार्यक्रम के जरिए रामनगरी में शाम को भी पर्यटकों के लिए आकर्षण उपलब्ध रहेगा। साथ ही भजन संध्या और आडिटोरियम पर भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन होगा। जो अनवरत प्राण प्रतिष्ठा तक चलेगा। प्रमुख सचिव ने बताया कि एक बार फिर से विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए इस बार दीपोत्सव में 25 लाख दीपक जलाने का लक्ष्य रखा गया है।

दीपोत्सव में इस बार सबसे खास शोभायात्रा होगी क्योंकि चौड़ी सड़क हैं तो इस बार विभिन्न शैलियों की झांकियां और वृहद स्तर पर निकली जाएंगी।दीपोत्सव पर लगने वाले मेले को भी इस बार वृहद रूप दिया जाएगा।मेले में हैंडीक्राफ्ट फाइन आर्ट और हैंडलूम की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

महात्मा गांधी अपनी आत्म शक्ति के कारण विलक्षण थे : दिलीप तायडे

गांधी जयंती पर विशेष

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बुरहानपुर मध्यप्रदेश। श्री दिलीप तायडे अधिवक्ता (गांधी विचारक) ने कहा कि एक दिन, एक पागल दिन की रोशनी में जब सूर्य की किरणे चारों ओर फैली थी। ऐथेन्स की सड़को पर भीड़ भरे बाजार में हाथ में जलता हुआ कंदील लिए जोर जोर से चिल्ला रहा था, और कह रहा था कहां हो, मेरे ईश्वर, कहा हो मेरे गॉड, तुम कहा हो ? मैं दीया ले तुम्हे ढुंढ रहा हूँ उसकी आवाज सुनकर लोग उसके आस–पास इकट्ठे हो गए और उसकी मजाक करने लगे। कोई कहने लगा तेरा ईश्वर हम से डरकर भाग गया है। तो काई कहने लगा तेरा ईश्वर हमको देखकर छिप गया है। उस पागल ने एक तेज नजर से सब की ओर देखा, लोग चुप हो गये। उसने फिर चारों ओर घूरकर देखा और चिल्ला कर कहने लगा कि हमने ईश्वर कि हत्या की है। हम तुम सब उसके हत्यारे है, इतना कहकर उसने जलता हुआ कंदील हाथ में से फेक दिया। फिर एक तेज निगाह से सबकी ओर देखकर वह कहने लगा क्या तुम अनुभव नही करते हो कि तुमने जीवन के उन मूल्यों और आदर्शों को भुला दिया है जो मनुष्यता श्के अस्तित्व के लिए आवश्यक हैं। तुमने ईश्वर से विमुख होकर शून्यता निर्मित की है। विनाश समीप है इतना कह कर वह चल दिया। वह पागल कोई और नहीं जर्मन का प्रसिद्ध दार्शनिक नीत्शे था। जिस ईश्वर को, नैतिक। मूल्यों को नीत्शे खोज रहा था गांधी उनका ही तो प्रतीक है। गांधी ने अपने जीवन में सत्य को ही ईश्वर कहा था उसके लिए सत्य ही उनका ईश्वर था। उसका समूचा जीवन सत्य की साधना थी। सत्य से वह कभी विमुख नहीं हुआ। जीवन में जब कभी उसने अनुभव किया कि उससे गलती हुई है उसने उसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया उस पर पश्चाताप और उसका प्रायश्चित तक किया। उसके जीवन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वह जो सोचता था, वह बोलता था और जो बोलता था वही करता था। उसकी कथनी और करनी मे कोई अंतर नही था उसकी कथनी और करनी में एकरूपता थी। वर्तमान की यह विडंबना है कि आज का मानव सोचता कुछ है, बोलता कुछ है और करता कुछ है। उसकी कथनी और करनी में अंतर है। गांधी इसके अपवाद रहे। साध्य व साधनो की पवित्रता और कथनी और करनी की एक रूपता उसके जीवन की विशेषता थी और इन विशेषताओं के कारण उसके व्यक्तित्व मे ऐसा आत्मबल विकसित हुआ था कि उसकी वाणी और विचार, जीवन और कर्म का लोगो पर चमत्कारी प्रभाव होता था। उसकी महानता और विलक्षणता का कोई आधार था तो वह उसका आत्मबल था। शारीरिक सौंदर्य से कहीं अधिक सौंदर्य से कही अधिक मनुष्य का आत्मबल काम करता है और अन्य दुसरो पर प्रभाव डालता है। और इस कारण गांधी अपने आत्मबल के कारण ही विलक्षण थे, असाधारण थे। उसने साध्य और साधान की पवित्रता को महत्व देते हुए अपने सत्य व अहिंसा के प्रयोगों से उन्होनें भारत को आजादी दिलाई और अपने जीवन दर्शन, विचार तथा सत्य के प्रयोगो से दुनिया को अंहिसक जीवन दर्शन दिया। ईश्वर मे आस्था और मानवता के प्रति करुणा उसके जीवन के मंत्र थे। अहिंसा उसके मानवता की और कर्म की कसौटी थी। मनुष्य में सत्य व नैतिक मुल्यो से विमुख होने के कारण ही मानवता की भावना में कमी आती है। जीवन मे अहंकार, घृणा और हिंसा की उत्पत्ती होती है और फिर मनुष्य हिंसा के प्रति उत्तर मे हिंसा का ही मार्ग अपनाता है। लेकिन गांधी ने अपने उपदेशों, आचरण और सत्य के प्रयोगों से मानवीय समस्या का अहिंसा के जरीये ही समाधान का मार्ग दिखाया है। उनकी अहिंसा मानवता की महानतम शक्ति थी। हारिजन में उन्होने लिखा है कि ‘विनाश मानव समाज का सिद्धांत नही है और दूसरों की मृत्यु हमारे जीवन का आध नही है।’ वर्तमान स्थिति मे आज जब देश व दुनिया मे सामाजिक,राजनैतिक व मानवीय जीवन मुल्यो मे तेजी से गिरावट आ रही है, अनाचार, अत्याचार, अशान्ति, हिंसा और अराजकता पनप रही है। उस स्थिति में गांधी देहीक रूप से कई अधिक विचार के रूप में आज भी प्रासगंगिक बना हुआ है। हिंसा, नफरत, धार्मिक उन्माद और धर्म के नाम पर किसी को दुश्मन मानना हमारी सांस्कृति नही है और न राष्ट्रवाद अशान्ति व अलगांव के सृजक यह न भुले कि लोकतंत्र की मृत्यु अस्थिरता से नही अराजकता से होती है। स्वामी विवेकानंद ने भी कहा था कि मत भूलो सभी वर्ग विशेष, निरक्षर और उपेक्षित सभी का रक्त और मास एक जैसा हैं। ये सब तुम्हारे भाई है। गांधी का विचार भी तो यही है विचार ही मानव जगत पर शासन करते हैं और विचार से ही इंसान, इंसान बनता है। गांधी व्यक्ति नही विचार है और विचार के रूप में आज भी वह प्रासंगिक है वह हमारा राष्ट्रपिता है, सम्पूर्ण विश्व का महात्मा है, उसने सम्पूर्ण विश्व को गति दी हैं, और अपनी देह की नश्वरता के बाद भी वह देश और दुनिया के सामने व्यक्ति नहीं विचार के रूप में आज भी मौजूद है। गांधी जयंती का दिन गांधी विचार से प्रेरणा लेने का दिन है।

अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारिणी की त्रैमासिक बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर – अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन ट्रस्ट के कार्यालय अल्फावेटज प्री स्कूल मे सभी मुख्य कार्यकारिणी के अध्यक्षों और सदस्यों के साथ संपन्न हुआ! बैठक मे चारो समिति (स्वास्थ्य, शिक्षा, समाजसेवा, गुलाबी समिति) के सदस्य उपस्थित रहे, इसके अंतर्गत त्रैमासिक कार्यक्रम की रूप रेखा बनाकर कार्यो को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए सभी सदस्यों ने एक कमेटी का गठन किया! कार्यक्रम में समाजसेवा अध्यक्ष वंशिका सिंह ने शिवानी चौरसिया को सार्वजनिक रूप से समाज सेवा समिति की सचिव की घोषणा की, सभी ट्रस्ट के सदस्यों ने बुके देकर और माला पहनाकर नयी सचिव को बधाई दिया! बैठक की अध्यक्षता. शिक्षा समिति के संरक्षक डॉ समर बहादुर सिंह पूर्व प्राचार्य टी डी कॉलेज, अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव और सचिव मीरा अग्रहरी के नेतृत्व मे किया गया! बैठक में मुख्य रूप पूरे तीन महीने के किये जाने वाले कार्यो की रुपरेखा के बारे में जानकारी देकर सुचारू रूप से आयोजित करने की योजना का गठन किया! ,बैठक मे सचिव मीरा अग्रहरी ने आए हुए सभी सदस्यों का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया! बैठक में मुख्य रूप से तीनों समिति के सदस्य गुलाबी समिति कि अध्यक्ष बिट्टू किन्नर,मीडिया प्रभारी ज्ञान चन्द गुप्ता मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव मीडिया प्रभारी अजीत गिरी उपस्थित रहे।

आपके दिल का स्वास्थ्य ही आपका धन है

एसकेडी एकेडमी में मना विश्व हृदय दिवस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आज विश्व हृदय दिवस के अवसर परएसकेडी एकेडमी की सभी शाखाओं में अपने हृदय के स्वास्थ्य को कैसे स्वस्थ रखें इस थीम पर कार्यक्रम किये गये। बच्चों ने सभी को विश्व हृदय दिवस पर प्रेरणादायक व स्वस्थ हृदय से सम्बन्धित स्लोगन प्लेकार्ड पर प्रदर्शित करके हृदय को स्वस्थ रखने के लिए जागरूक किया।

कुछ जरूरी बातें जो ध्यान रखने के लिए कहा गया जैसे कि तैलीय भोजन का लेवल कम करें, सही डाइट रखें, व्यायाम अवश्य करें, हरी सब्जियों, दालों व प्रोटीन सही मात्रा में लें। नियमित व्यायाम के साथ खान पान सेहत को अत्यधिक प्रभावित करता है अतः दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर रखने के लिए टहलना भी अति आवश्यक है। “स्वस्थ हृदय स्वस्थ व प्रसन्नचित शरीर में ही होता है”। संस्था के निदेशक मनीष सिंह ने भी कहा कि स्वास्थ्य सम्बन्धी ये जानकारियों पर अमल करें स्वयं भी जागरूक रहें एवं सभी को जागरूक करने का प्रयास करें।

स्वास्थ्य और सुखी जीवन के लिए एक सेहतमंद हृदय का होना आवश्यक है।

आज अयोध्या नगरी आएंगे फिल्म अभिनेता अनुपम खेर स’।

02 दिन अयोध्या में रहेंगे फिल्म अभिनेता ।

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

शाम 4:30 बजे पहुंचेंगे अयोध्या, राम जन्मभूमि परिसर के निकट स्थित रामलला देवस्थान पर संतों से करेंगे मुलाकात, शाम 6रू00 बजे से 7रू30 बजे तक करेंगे पत्रकार वार्ता,7रू30 बजे पैदल हनुमानगढ़ी के लिए रवाना होंगे फिल्म अभिनेता अनुमप खेर,8रू00 बजे से 9रू00 बजे तक हनुमानगढ़ी पर आरती में होंगे शामिल, राम लला देवस्थान पर ही संतों के साथ करेंगे रात्रि भोज, रामायण होटल अयोध्या में करेंगे रात्रि विश्राम, 30 सितंबर को सुबह 8:00 बजे करेंगे राम लला का दर्शन, 10:00 बजे कनक भवन में करेंगे दर्शन पूजन, 11:00 बजे अयोध्या से लखनऊ के लिए रवाना होंगे फिल्म नेता अनुपम खेर।

गणपति विसर्जन के साथ गणेश महोत्सव आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कानपुर रोड स्थित कृष्णा नगर मार्केट में गणेश महोत्सव गणेश प्रतिमा विसर्जन के साथ संपन्न हुआ इस अवसर पर लव कुश यादव, गजेंद्र सिंह, एम एल सैनी, विमल तिवारी, विनय गुप्ता, सुरेश सिंह, राजपाल आदि सहयोगी मौजूद रहे।

अटका सड़कों के गड्ढे भरने का काम

लखनऊ (संवाददाता)। सड़कों के गड्ढे भरने के लिए नगर निगम के पास पैसे नहीं हैं। आकस्मिक कार्यों के बजट के 8 करोड़ रुपये पहले ही खर्च हो चुके हैं। ऐसे में यह विकल्प भी नहीं है। वहीं, ठेकेदारों ने बिना बकाया भुगतान के काम करने से हाथ खड़े कर दिए हैं। गड्ढों को भरने के लिए 12 करोड़ रुपये के बजट की दरकार है। ऐसे में नगर आयुक्त कोटे से बजट का विकल्प तलाशा जा रहा है। नगर निगम के स्वामित्व वाली करीब 244 किमी. लंबी 300 सड़कों में गड्ढे हैं। चालू वित्तीय वर्ष के बजट की बात करें तो सामान्य निधि से महापौर, नगर आयुक्त और पार्षद कोटे के अलावा आकस्मिक कार्यों के लिए आठ करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। आकस्मिक कार्यों में ही सड़कों के गड्ढों को भरने का काम भी आता है। पर, पिछले चार महीने में यानी जब से पार्षद चुनकर आए हैं, यह बजट खत्म हो गया। सूत्रों के मुताबिक पार्षदों ने अपने कोटे से काम कराने के बजाय जुगाड़ और सिफारिश से सामान्य कोटे से काम स्वीकृत करा लिए।

तालाब की रखवाली कर रहे युवक को बदमाशो ने मारी गोली, जिला अस्पताल मे भर्त

1–तीन नामजद और एक अज्ञात पर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । खेतासराय थाना अंतर्गत क्षेत्र के मझौरा गांव मे शुक्रवार की भोर मे तालाब की रखवाली कर रहे युवक को बदमाशो ने गोली मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक को पहले पी एच सी सोंधी ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया । घायल युवक के भाई की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को पकड़ने के लिए दबिश दे रही है। क्षेत्र के मझौरा गांव निवासी अबुजर 42 वर्ष पुत्र अबुसाद गांव मे के बाहर मछली पालन के तालाब से सटे कमरे में सो रहे थे भोर 5 बजे जब वो कमरे से बाहर निकले तो देखा की बाहर का बल्ब निकला हुआ है। इसके बाद वो पेशाब करके जैसे ही खड़े हुए तीन युवक दिखाई दिए जिसमें दो युवक गांव के ही थे और तीसरे युवक को मेरी तरफ इशारा करके चले गए जैसे ही वो युवक गए तीसरे युवक ने मेरे ऊपर गोली चला दी गोली पेट मे दो स्थानों पर लगी। शोर सुनकर ग्रामीण भी आ गए और पी एच सी सोंधी ले आए । प्राथमिक उपचार के बाद घायल अबूजर को जिला अस्पताल ले जाया गया । जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।। घटना के बाबत अबूजर के भाई जावेद ने तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है । घटना को पुरानी रंजिश और जमीनी विवाद से जोड़ कर देखा जा रहा है।वही घायल अबूजर ने जिला अस्पताल में बताया कि घटना की साजिश के लिए गांव के एक पूर्व प्रधान को जिम्मेदार को ठहराया है।इस मामले में पुलिस उपाधीक्षक शाहगंज शुभम तोदी ने बताया गांव मे शांति है आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

तीन नामजद और एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर लिया गया छानबीन जारी है आरोपी जल्द ही पकड़े जाएंगे।

अयोध्या विकास प्राधिकरण लाया नई योजना, व्यक्तिगत रूप से भी कोई भी व्यक्ति अपनी खाली पड़ी जमीन पर बना सकता है टेंट

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या। संपर्क करें विकास प्राधिकरण कार्यालय। भगवान राम लला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारी में जुटा जिला प्रशासन, ब्रह्म कुंड के बाद अब गुप्तार घाट पर भी बनेगी टेंट सिटी, टेंट सिटी के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर पहुंचा गुप्तार घाट, गुप्तार घाट पर अस्थाई 100 टेंट का निर्माण होगा शुरू, अयोध्या विकास प्राधिकरण लेकर आया योजना, व्यक्तिगत रूप से लोग भी अपनी खाली जमीन पर बनवा सकते हैं टेंट सिटी, उनको मिलेगा धन अर्जित करने का अवसर, होटल को भी प्रमोट कर रहा है जिला प्रशासन, अयोध्या आने वाले श्रद्धालु होटल, पेइंग गेस्ट के रूप में व टेंट सिटी में रह सकते हैं, टेंट सिटी में शौचालय व रेस्टोरेंट की भी होगी सुविधा, अलग–अलग कैटेगरी के बनाए जाएंगे टेंट, ग्रामीण परिवेश का होगा अहसास।

इंस्टीव्यूट के खिलाफ उतरा एबीवीपी, कार्रवाई की मांग

लखनऊ (संवाददाता)। कुपालु इंस्टीट्यूट में एएनएम का कोर्स कर रही छात्राओं के साथ अभद्रतापूर्वक बर्ताव व अमर्यादित शब्दों के प्रयोग को लेकर बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) सामने आ गया। छात्राओं की शिकायत के बाद एबीवीपी के छात्रों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट और एबीवीपी के पदाधिकारियों से तीखी नोकझोंक भी हुई। मामले में डीएम को ज्ञापन देकर इंस्टीट्यूट के खिलाफ जांच कराकर बंद कराने की मांग की। कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन के दौरान विभाग संयोजक आनंद सिंह, नगर मंत्री राज तिवारी, नगर सहमंत्री मोहित सोनी आदि ने आरोप लगाया कि संस्थान में बिंदी, मंगलसूत्र, सिंदूर आदि पर रोक लगाई गई है।

मुझे ठुकराया..इसलिए मैं जान दे रही हूं ये लिखकर छात्रा ने गोमती में लगा दी छलांग

उसने लिखा है। हालांकि साथ में ये भी लिखा है कि मौत की जिम्मेदार वह खुद है। उस लड़के के खिलाफ कोई कार्रवाई न की जाए। बाराबंकी के सफदरगंज इलाके की

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में गोमतीनगर में रिवर फ्रंट से बुधवार को 11वीं की एक छात्रा ने गोमती में कूदकर खुदकुशी कर ली। करीब एक घंटे बाद उसका शव बरामद हुआ। बैग में मिले दस्तावेजों से शिनाख्त हुई। बरामद सुसाइड नोट में छात्रा ने लिखा है कि...मुझे ठुकराया...इसलिए मैं जान दे रही हूं...। एक लड़के का नाम रहने वाली किशोरी 11वीं की छात्रा थी। वह बुधवार सुबह स्कूल के लिए घर से निकली थी। इधर गोमती रिवर फ्रंट से दोपहर साढ़े तीन बजे उसने गोमती में छलांग लगा दी। वहां तैनात एक गार्ड ने उसे कूदते हुए देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस गोताखोरों के साथ वहां पहुंची। गोताखोर ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद उसका शव बरामद कर लिया।

नए उद्योगों के लिए जमीन तैयार करेंगी पुरानी–बीमार इकाइयां, विकास प्राधिकरण पहली बार ला रहा है ऐसी नीति

लखनऊ (संवाददाता)। वैश्विक निवेशक सम्मेलन में एमओयू करने वाले उद्यमियों को जमीन का संकट दूर करने के लिए चौतरफा कवायद की जा रही है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) पहली बार अदालतों में फंसी बीमार और बंद इकाइयों को लेकर नीति ला रहा है। ऐसी इकाइयों को लिक्विडेटर के जरिए सब डिवीजन यानी छोटे छोटे भूखंडों में बेचा जा सकेगा। अभी ऐसी जमीनों को एक साथ बेचने की बंदिश है। इस फैसले से बंद इकाइयों में फंसी लगभग 1500 एकड़ जमीन में हजारों नए उद्यम बसने का रास्ता खुलेगा। प्रदेश में करीब 1500 एकड़ जमीन दिवालिया, बीमार और बंद हो चुकी औद्योगिक इकाइयों में फंसी है। इनमें से अधिकांश इकाइयां पूरी तरह से विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में हैं, जहां कीमतें आसमान में हैं। इन बीमार इकाइयों की जमीनें डेब्ट रिकवरी ट्रिब्यूनल (डीआरटी) और नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में बैंकों और कोर्ट में लिक्विडेशन के माध्यम से लॉक हो गई हैं। बेकार पड़ी ऐसी बेशकीमती जमीनों को उपयोगी बनाने के लिए प्राधिकरण ने उप विभाजन नीति में संशोधन किए हैं। इससे अनुपयोगी भूमि को इस नीति के अन्तर्गत पुनरू उपयोगी बनाए जाने के उद्देश्य से सहूलियत प्रदान की गयी है। यानी अब लिक्विडेटर की मदद से बड़ी बीमार इकाइयों की जमीनों का (सब डिवीजन) का विभाजन किया जा सकेगा। किसी दिवालिया या बीमार इकाई की 100 एकड़ जमीन है तो अभी उसकी नीलामी एकमुश्त ही की जा सकती है। नई नीति के बाद उसे टुकड़ों में बेचा जा सकेगा। उप्र औद्योगिक विकास प्राधिकरण इसे लेकर पहली बार नीति ला रहा है जो देश में अपनी तरह का प्रयोग होगा। इस नीति को लेकर प्राधिकरण पब्लिक के बीच जाएगा। इस लागू करने से पहले फीडबैक लिया जाएगा। फीडबैक के आधार पर मिली कमियों को दूर किया जाएगा। झांसी में बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) की स्थापना की जाएगी। विश्वस्तरीय इण्डस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने के लिए दक्ष और कुशल प्लानर को नियुक्त किया जाएगा। रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ कॉरिडोर परियोजना से यूपीसीडा के चिन्हित भूखण्डों को आरआरटीएस से जोड़ा जाएगा। इससे आस–पास के औद्योगिक क्षेत्रों की अवस्थापना को प्रोत्साहन मिलेगा। नोएडा पावर कम्पनी लिमिटेड (एनपीसीएल) को औद्योगिक क्षेत्र सूरजपुर साइट–5 में 33/11 केवी विद्युत सबस्टेशन की स्थापना केलिए 1000 वर्गमीटर का भूखण्ड आवंटित किया गया।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।